

नये नियम का इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र

सत्र 8: मत्ती का परिचय, भाग 3

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट द्वारा

A. परिचय और परलोकीय साम्राज्य [00:00-2:47]

ए कम्बाइन एडी; 00:00- 12:48 पहले से ही लेकिन अभी तक राज्य नहीं

हम मैथ्यू की पुस्तक के माध्यम से अपने काम करने के बारे में बात कर रहे थे, और हमने मैथ्यू के व्यवस्थित होने के बारे में बात की है, हमने मैथ्यू में शिष्यत्व और इसकी कीमत, सच्चे और झूठे शिष्यत्व के बारे में बात की है। हमने महान शिक्षक से धार्मिकता और समझ के बारे में बात की है और हम शिष्यत्व या प्रेरिताई से मसीह के धर्मशास्त्र की ओर बढ़ते हैं और हमने मसीह के ईश्वरत्व के बारे में बात की है, और उपचारात्मक उपचारक के रूप में उनकी चिकित्सा और मसीह के विभिन्न पहलुओं के बारे में बात की है, जिनके बारे में हमने मैथ्यू की पुस्तक में नए मूसा या नए इज़राइल के रूप में बात की है। अब हम मैथ्यू की पुस्तक में स्वर्ग के राज्य की इस अवधारणा के साथ काम कर रहे हैं। इसलिए मैं स्वर्ग के राज्य के बारे में बात करना चाहता हूँ। क्या आपको जॉन बैपटिस्ट याद है जब उन्होंने कहा था, "स्वर्ग का राज्य निकट है"? और इसलिए हम मैथ्यू के साथ स्वर्ग के राज्य की इस अवधारणा का उपयोग करके काम करने जा रहे हैं। वह मैथ्यू की पुस्तक में इसे बत्तीस बार कहता है। यह मार्क की पुस्तक के विपरीत है जिसमें परमेश्वर के राज्य का प्रयोग किया गया है और हमने कहा कि मूलतः इसमें "परमेश्वर" शब्द से बदलाव किया गया है, जो संभवतः अधिक यहूदी पाठकों के लिए था, तथा "स्वर्ग" शब्द परमेश्वर के राज्य के स्थान पर स्वर्ग के राज्य के लिए एक पर्यायवाची के रूप में अधिक उपयुक्त था।

अब मैं स्वर्ग के राज्य की अवधारणा के बारे में बात करना चाहता हूँ और यह उन लोगों के लिए एक बड़ी बात होगी जिन्हें मैथ्यू लिख रहा है। मुझे लगता है कि स्वर्ग का राज्य आशा के मुद्दे से जुड़ा है। आप किस तरह की चीज़ों की आशा करते हैं, और आप उस आशा की कल्पना कैसे करते हैं, और आप उस आशा को उन चीज़ों के साथ कैसे जोड़ते हैं जिनकी आप आशा कर रहे थे? इसलिए हम स्वर्ग के इस राज्य पर काम करना चाहते हैं और वे इसके बारे में कैसे सोचते होंगे और

इसके बारे में कैसे आशा करते होंगे जब उन्होंने एस्केटोलॉजिकल राज्य पर विचार किया था। एस्केटोलॉजी अंत समय का अध्ययन है। *एस्केटन* का अर्थ है अंत, और एस्केटोलॉजी रहस्योद्घाटन और डैनियल की पुस्तक जैसी चीजों का अध्ययन है, जो सर्वनाश की किताबें हैं। एस्केटोलॉजिकल राज्य का अर्थ है आने वाला राज्य और भविष्य जो आशा प्रदान करता है। मैं बस उन प्रकार की अपेक्षाओं को देखना चाहता हूँ। मैथ्यू यहूदी लोगों को लिख रहा है। उनकी किस प्रकार की अपेक्षाएँ रही होंगी? उनकी किस प्रकार की आशा रही होगी?

बी. राज्य की अपेक्षाएँ [2:47- 5:11]

पहला है दाऊद का शासन, और हमने इस बारे में बात की, कि यीशु मसीह दाऊद का पुत्र है और यहूदी दाऊद के पुत्र की प्रतीक्षा कर रहे थे जो इस्राएल पर शासन करने आए, जैसा कि 2 शमूएल अध्याय 7 में कहा गया है, "दाऊद का पुत्र सिंहासन पर बैठकर सदा धर्म और न्याय से उन पर शासन करेगा।" इसलिए जब यहूदियों ने इस युगांतकारी राज्य के बारे में सोचा, तो उनके पास यह महान राजा, दाऊद का पुत्र था, जो तब उनके लिए, रोमन जुए को उतार फेंकेगा और--वे रोमनों द्वारा करें और सभी प्रकार की चीजों का भुगतान करने के कारण उत्पीड़ित हो रहे थे। रोमनों ने उनकी संस्कृति पर प्रभुत्व किया--और जब दाऊद का पुत्र आएगा, तो वह धार्मिकता स्थापित करेगा और रोमन शासन को उतार फेंकेगा। इसलिए दाऊद के पुत्र के साथ, वे इस मसीहाई शासक की प्रतीक्षा कर रहे थे जो आकर रोमन जुए को उतार फेंकेगा। कट्टरपंथी इसे चरम पर ले जाएंगे और वास्तव में तलवारें लेकर बाहर निकलेंगे और एक तरह के कट्टरपंथी को बहुत शारीरिक तरीके से पूरा करने की कोशिश करेंगे। लेकिन दाऊद का शासन उनकी आशाओं में से एक था, जो 2 शमूएल 7 में दाऊद की वाचा में निर्मित था।

इस्राएल का वापस अपने देश में आना उनकी एक और बड़ी उम्मीद थी। यह अब्राहमिक वाचा (उत्पत्ति 12) पर आधारित है। आपको पुराने नियम में याद होगा जब हमने कहा था कि अब्राहमिक वाचा भूमि थी, कि उन्हें वादा किया गया देश मिलेगा। इसलिए यहूदी लोग उस भूमि से बहुत जुड़े हुए हैं क्योंकि उस भूमि का वादा परमेश्वर ने अब्राहम से किया था। भूमि, अब्राहम का वंश - आकाश के तारों की तरह, समुद्र तट की रेत की तरह - और अब्राहम सभी राष्ट्रों के लिए

लाभकारी होगा। इसलिए भूमि, वंश और आशीर्वाद, कि वह पृथ्वी के सभी राष्ट्रों के लिए एक आशीर्वाद होगा। वह अब्राहमिक वाचा थी। इसलिए उन्होंने अब्राहमिक और दाऊदिक वाचा को देखा और उन्होंने इस मसीहाई राज्य की तलाश की जहाँ ये वाचाएँ पूरी होंगी जहाँ उनके पास एक दाऊदिक शासक होगा और उनके पास भूमि, वादा किए गए देश में अब्राहम का वंश होगा, जो सभी राष्ट्रों के लिए आशीर्वाद का लाभ होगा।

अब अंत में शांति की यह धारणा है। उन्हें उम्मीद थी कि शांति आएगी और देश में शांति होगी। तो इस आने वाले राज्य, इस युगांतकारी राज्य के लिए बहुत सारी उम्मीदें ऐसी ही होंगी।

सी. पहले से ही, लेकिन अभी तक नहीं और राज्य में प्रवेश [5:11-8:58]

हालाँकि, इस राज्य का एक और पहलू है। इसे हम पहले से ही कहेंगे। मैं इस अवधारणा को पेश करना चाहता हूँ - वास्तव में मैंने इसे डॉ डेविड मैथ्यूसन नाम के एक व्यक्ति से चुराया है, जिनके साथ मैं पढ़ाया करता था, यह "पहले से ही, लेकिन अभी तक नहीं" अवधारणा है। और डेव वास्तव में युगांतशास्त्रीय और सर्वनाश साहित्य को समझने में रुचि रखते थे। उन्होंने जॉर्ज एल्डन लैड की अवधारणाओं के साथ काम किया जिन्होंने इस "पहले से ही, लेकिन अभी तक नहीं" अवधारणा को विकसित किया था। तो राज्य, इसके लिए एक आसन्नता है। स्वर्ग का राज्य निकट है। यह आसन्न है। यह दरवाजे से गुजरने के लिए तैयार है। यह आसन्नता, राज्य की उपस्थिति यहाँ और अभी है। इसलिए मैथ्यू 3:2 में: "मन फिराओ, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट है" जॉन कहता है। ऐसा लगता है कि पश्चाताप स्वर्ग के राज्य में प्रवेश की कुंजी है। मत्ती अध्याय 3 में जॉन कहते हैं, "मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट है।" यदि आप लूका, अध्याय 17, श्लोक 1 पर जाएँ, तो मुझे लगता है कि यह एक दिलचस्प श्लोक है। इसमें कहा गया है, "परमेश्वर का राज्य आपके ध्यानपूर्वक देखने से नहीं आता है, न ही लोग कहेंगे, 'यह यहाँ है या वहाँ है', क्योंकि परमेश्वर का राज्य आपके भीतर है।" तो यहाँ आपके पास यह धारणा है कि परमेश्वर का राज्य उनके भीतर है। राज्य वहाँ से नहीं आ रहा है। परमेश्वर का राज्य उनके भीतर है, और राज्य की उपस्थिति है। राज्य पहले से ही यहाँ है। राजा का काम पहले से ही शुरू हो चुका है; आप चमत्कार देखते हैं, आप यीशु को चंगा करते और पानी पर चलते हुए देखते हैं। राज्य पहले से ही यहाँ है। यह रूपांतरण है। राज्य

आपके भीतर है। यह आपके जीवन पर राजा का शासन है। परमेश्वर का राज्य आपके भीतर है। तो ऐसा लगता है कि यह आसन्नता और यह उपस्थिति है, राज्य की यह पहले से ही मौजूदगी है। राज्य के पहलू पहले से ही यहाँ हैं।

इसका दूसरा पहलू यह है कि अध्याय 21 में प्रवेश द्वार प्रतीत होता है, मत्ती 21:31 - इसे देखें - राज्य का प्रवेश द्वार पश्चाताप और विश्वास प्रतीत होता है। मत्ती 21:31 में, यह कहता है, "यीशु ने उनसे कहा, 'मैं तुमसे सच कहता हूँ, कि कर संग्रहकर्ता और वेश्याएँ तुम्हारे आगे परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कर रही हैं (वर्तमान में, पहले से ही - राज्य की पहले से ही)।'" वे पहले से ही ऐसा करने की प्रक्रिया में हैं, "क्योंकि यूहन्ना तुम्हें धार्मिकता का मार्ग दिखाने आया था और तुमने उस पर विश्वास नहीं किया, लेकिन कर संग्रहकर्ताओं और वेश्याओं ने किया, और यह देखने के बाद भी, तुमने पश्चाताप नहीं किया और उस पर विश्वास नहीं किया।" इसलिए कर संग्रहकर्ताओं और वेश्याओं के लिए प्रवेश उपलब्ध था। क्यों? क्योंकि उन्होंने पश्चाताप किया और यूहन्ना के संदेश पर विश्वास किया। लेकिन ये लोग, फरीसी, सद्दूकी या जिनसे भी वह बात कर रहे हैं, उन्होंने विश्वास नहीं किया और पश्चाताप नहीं किया और उन्होंने संदेश को अस्वीकार कर दिया। अतः स्वर्ग के राज्य की चर्चा, उसके प्रवेश के संदर्भ में की जा रही है, तथा इसकी उपस्थिति यह है कि कर वसूलने वाले और वेश्याएँ इसमें प्रवेश करती हैं।

डी. पहले से ही, लेकिन अभी तक नहीं और राज्य के दृष्टांत [8:58-12:48]

अब, राज्य के कई दृष्टांतों का उल्लेख किया गया है। उन्हें राज्य के दृष्टांत कहा जाता है। कुछ बीज उस रास्ते पर गिरते हैं जहाँ लोग चलते हैं और वे कुचले जाते हैं। कुछ उथली मिट्टी या पथरीली मिट्टी पर गिरते हैं, और थोड़े समय के लिए उगते हैं, लेकिन जड़ों के लिए कोई जगह नहीं होती और इसलिए वे सूख जाते हैं और मुरझा जाते हैं। कुछ बीज खरपतवार के साथ जमीन पर गिरते हैं और खरपतवार उगते हैं और यह बहुत अच्छी तरह से बढ़ता है और फिर खरपतवार इसे दबा देते हैं। फिर अन्य बीज अच्छी मिट्टी पर गिरते हैं। तो दृष्टांत, बोने वाला या मिट्टी इस आदमी जैसे लोग हैं। तो आपको ये चार अलग-अलग मिट्टी का वर्णन मिलता है, राज्य के दृष्टांत यह दृष्टांत है कि अब सुसमाचार कैसे प्राप्त किया जा रहा है। तो यहाँ आपके पास एक और मामला है जहाँ राज्य

पहले से ही है। जैसे-जैसे सुसमाचार फैल रहा है, यह पहले से ही राज्य जैसा है। इसमें से कुछ लोगों में जड़ें जमा लेते हैं, अन्य नहीं।

अब, गेहूँ और जंगली घास को लें। वह आदमी बाहर जाता है और खेत में बढ़िया गेहूँ बोता है। जब वह सो रहा होता है, तो एक दुश्मन आता है और जंगली घास बोता है। जब नौकरों ने जंगली घास या खरपतवार को उगते देखा तो उन्होंने कहा, "हमें उनके बीच से गुज़रना चाहिए और खरपतवार को उखाड़ देना चाहिए।" मालिक ने कहा, "नहीं - अगर तुम खरपतवार को उखाड़ोगे, तो तुम गेहूँ को भी नुकसान पहुँचाओगे, और हम कटाई के समय इसे फाड़ देंगे।" कटाई के समय, वह अपने नौकरों को भेजता है और वे गेहूँ की कटाई करते हैं और जंगली घास को अनन्त आग में जला दिया जाता है और गेहूँ उसके राज्य में इकट्ठा हो जाता है। तो गेहूँ और जंगली घास का यह मिश्रण - यही राज्य पहले से ही यहाँ है।

मत्ती 25 में भेड़ और बकरियों का दृष्टांत, भेड़ों को दाईं ओर और बकरियों को बाईं ओर अलग करने के बारे में है। यह अंतिम न्याय, राज्य में प्रवेश के बारे में बता रहा है, जो अभी आना बाकी है। तो ऐसा लगता है कि यह राज्य पहले से ही है और एक राज्य है जो अभी नहीं आया है। इसलिए जब आप राज्य के साथ काम करते हैं - मैथ्यूसन हमेशा अपनी कक्षा में कहते थे, वे अपने छात्रों से कहते हैं कि "यदि आप केवल 'पहले से ही, लेकिन अभी तक नहीं' का उत्तर देते हैं तो आपको उनके पाठ्यक्रम में 80 प्रतिशत अंक मिलते हैं" क्योंकि वे इसके बारे में बहुत बात करते हैं। मुझे लगता है कि वे वास्तव में किसी बड़ी बात पर हैं। यह एक बहुत बड़ी अवधारणा है। राज्य पहले से ही है, और ईश्वर का राज्य आपके भीतर है। और फिर भी, भेड़ और बकरियों में राज्य आना बाकी है और हम प्रार्थना करते हैं, "तेरा राज्य आए।" तो राज्य के दृष्टांत, मत्ती का एक और पहलू है जो विकसित होता है।

राज्य का अभी तक नहीं आया पहलू भविष्य के राज्य के बारे में बात कर रहा है - अंत समय। "तेरा राज्य आए, वे पृथ्वी पर भी वैसे ही पूरे होंगे जैसे स्वर्ग में हैं।" इसलिए हम प्रभु की प्रार्थना में प्रार्थना करते हैं - यह वह चीज है जिसके लिए हम प्रार्थना करते हैं, कि राज्य पृथ्वी पर भी वैसे ही आए जैसा स्वर्ग में है। तो आपको राज्य का यह अभी तक नहीं आया पहलू मिलता है। राज्य

अभी तक नहीं आया है। हम इसके आने के लिए प्रार्थना करते हैं। भेड़ और बकरियों के साथ हमने जिस अंत का उल्लेख किया है, और यह कैसे काम करता है।

अब दुल्हन की सहेलियाँ - क्या आपको अध्याय पच्चीस में दस दुल्हन की सहेलियाँ याद हैं? पाँच बुद्धिमान थीं और पाँच मूर्ख। और पाँच मूर्खों के पास पर्याप्त तेल नहीं था और इसलिए स्वामी आ रहे हैं और जब पाँच मूर्ख तेल पाने की कोशिश में दौड़ रहे हैं, स्वामी आता है और पाँच बुद्धिमानों के साथ जाता है जिनके पास तेल था, और बाकी पाँच बाद में दिखाई देते हैं। वह कहता है, "नहीं, क्षमा करें आप बहुत देर से आए हैं," और इसलिए भविष्य की खोज या राज्य का आगमन भविष्य में है। अब, इसका क्या मतलब है?

ई. यहाँ खड़े कुछ लोग इसे देखेंगे? [12:48-14:45]

बी: उदाहरण; 12:48-21:15; विलम्ब और मसीह का आगमन

मत्ती 16:28 में यह श्लोक एक दिलचस्प श्लोक है, और मैं इसे आपके लिए पढ़ना चाहता हूँ। कुछ लोगों ने कहा है कि यह श्लोक वास्तव में नए नियम में एक त्रुटि है, कि यीशु ने वास्तव में इसे गलत समझा। इसमें कहा गया है, "मैं तुमसे सच कहता हूँ," यीशु कहते हैं। यह उस अंश के ठीक बाद है जहाँ यीशु कहते हैं, "परन्तु जो कोई अपना प्राण बचाना चाहेगा, वह उसे खो देगा, परन्तु जो कोई मेरे लिए अपना प्राण खोएगा, वह उसे पाएगा। और यदि मनुष्य संसार को प्राप्त करे, परन्तु अपने प्राण की हानि उठाए, तो उसका क्या लाभ? क्योंकि मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों के साथ अपने पिता की महिमा में आएगा, और तब वह प्रत्येक व्यक्ति को उसके अनुसार प्रतिफल देगा" - वह प्रत्येक व्यक्ति को कैसे प्रतिफल देगा? "उसने जो किया है, उसके अनुसार।" यह बहुत दिलचस्प है, यहाँ जोर दिया गया है। "मैं तुमसे सच कहता हूँ," अब वह यह कहता है: "तुममें से जो यहाँ खड़े हैं, उनमें से कुछ लोग तब तक मृत्यु का स्वाद नहीं चखेंगे, जब तक कि तुम मनुष्य के पुत्र को उसके राज्य में आते हुए न देख लो।" और इसलिए वह अब उनमें से कुछ से कह रहा है, तो कुछ लेखकों को इससे समस्या है। और इसका क्या मतलब है, कि आप में से कुछ लोग तब तक मृत्यु का सामना नहीं करेंगे जब तक आप उनके राज्य के आगमन को नहीं देखते? कुछ लेखक कहते हैं कि यीशु ने गलत समझा। वह चूक गया, वे मर गए। वह वापस नहीं आया। तो यह प्रारंभिक

चर्च में एक बड़ी त्रासदी थी। यीशु ने उनसे कहा था कि वे मरने से पहले वापस आ रहे हैं। वे मर गए। वह कभी नहीं दिखा। तो यह उन चीजों में से एक है जिसे यीशु ने अनदेखा कर दिया, और फिर शिष्यों ने - यह प्रारंभिक चर्च की असंगत विशेषताओं में से एक है। वे कह रहे हैं, "यहाँ क्या हुआ? यीशु वापस नहीं आया।" तो फिर उन्हें यह धर्मशास्त्र बनाना होगा। कुछ लोग यही कहेंगे।

F. मत्ती 16:28 का संभावित उत्तर—प्रचार, पिन्तेकुस्त और पुनरुत्थान [14:45-18:29]

इसके लिए अन्य समाधान भी हैं, और मुझे लगता है कि मूल रूप से तीन समाधान हैं, जो मुझे लगता है कि संभव हैं। एक है सुसमाचार का प्रसार, कि आप में से कुछ लोग मनुष्य के पुत्र को उसके राज्य में आते हुए देखेंगे। अर्थात्, सुसमाचार के प्रचार के माध्यम से वे सुसमाचार के प्रसार के माध्यम से पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य की स्थापना को देखेंगे। प्रेरितों के काम की पुस्तक पिन्तेकुस्त से, प्रेरित पौलुस के माध्यम से सुसमाचार के प्रसार से लेकर प्रेरितों के काम की पुस्तक में विभिन्न मिशनरी यात्राओं तक का वर्णन करती है। तो सुसमाचार का प्रसार इसका एक पहलू था। और फिर, मैं अगले पहलू पर आता हूँ, पुनरुत्थान। कुछ लोग सोचते हैं कि इसका संबंध पुनरुत्थान और यीशु के स्वर्गारोहण से है। अब, पुनरुत्थान स्वर्गारोहण से कैसे अलग है? पुनरुत्थान होता है, यीशु क्रूस पर मरते हैं, और फिर तीन दिन बाद यीशु मृतकों में से जी उठते हैं। तो रविवार को हम प्रभु का दिन मनाते हैं, और वे कब्र पर जाते हैं और यीशु मृतकों में से जी उठते हैं। यही पुनरुत्थान है; यीशु मर गए; वह फिर से जीवित हो जाता है, यही पुनरुत्थान है। स्वर्गारोहण नहीं होता - अब यह फसह के समय के आसपास ही था। फसह-- लेकिन 50 दिन बाद वे पिन्तेकुस्त मनाते हैं। पेंटे का मतलब पाँच, पचास दिन बाद वे पिन्तेकुस्त मनाते हैं। यह पिन्तेकुस्त का पर्व है जो प्रेरितों के काम अध्याय दो में पेंटेकोस्टल अनुभव बन जाता है। और फिर प्रेरितों के काम अध्याय एक में, यह वर्णन करता है कि यीशु ऊपर जाते हैं और बादल पर सवार होकर स्वर्ग में वापस चढ़ते हैं, बादल पर सवार होकर और स्वर्ग में ऊपर की ओर बढ़ते हैं। यही स्वर्गारोहण है। तो आपके पास पुनरुत्थान है, और फिर लगभग पचास दिन बाद स्वर्गारोहण होता है जहाँ यीशु स्वर्ग जाते हैं। तो पुनरुत्थान और स्वर्गारोहण, वहाँ खड़े कुछ लोगों ने मसीह को आते देखा, पुनर्जीवित प्रभु को देखा। और जब उन्होंने यीशु के पुनरुत्थान और स्वर्गारोहण को देखा, तो वह राज्य का आगमन था; उन्हें यीशु के

राज्य के वे पहलू देखने को मिले जिनका वह संभवतः यहाँ उल्लेख कर रहे हैं। अब, जैसा कि आप जानते हैं, मेरी कक्षा में मेरे पास एक चीज़ है जिस पर मैं बहुत ज़ोर देता हूँ, और वह है संदर्भ अर्थ निर्धारित करता है, न कि व्युत्पत्ति - शब्द का इतिहास - लेकिन संदर्भ अर्थ निर्धारित करता है। इसलिए, जब मैं इस तरह के एक श्लोक तक आता हूँ जिसमें कुछ कठिनाई होती है, तो अब इसका क्या अर्थ है? कि "आप में से कुछ तब तक नहीं मरेंगे जब तक आप राज्य के आगमन को नहीं देखेंगे" आपको संदर्भ को देखना होगा, मैथ्यू अध्याय 16 श्लोक 28 अध्याय 16 का अंतिम श्लोक है। मुझे लगता है कि हमने कक्षा में पहले ही इसका उल्लेख किया है। वैसे, क्या अध्याय विभाजन बाइबिल में मूल थे? जवाब है नहीं। अध्याय विभाजन 12वीं या 13 वीं शताब्दी में जोड़े गए थे, लगभग 1200 ईस्वी में अध्याय विभाजन, एक बिशप द्वारा किया गया था। और डॉ. मैकरै, जो ये कहानियाँ सुनाते हैं कि कुछ लोग सोचते हैं कि मैकरै उस समय रहते थे डॉ. मैकरै ने बताया कि 1200 के आसपास बाइबल में अध्यायों को रखने जा रहे बिशप के बारे में, और वह घोड़े पर सवार थे और कभी-कभी घोड़ा आगे बढ़ता था, और कभी-कभी घोड़ा पीछे की ओर बढ़ता था। उस समय अध्यायों का विभाजन करने वाले बिशप चूक जाते थे। इसलिए कई बार आपको अध्यायों के विभाजन के साथ सावधान रहना पड़ता है। जब भी आप किसी अध्याय का अध्ययन करते हैं, तो हमेशा कुछ श्लोक पहले और कुछ श्लोक बाद में पढ़ें ताकि यह पता चल सके कि अध्याय का विभाजन सही जगह पर है या नहीं, जो 12 वीं या 13 वीं शताब्दी में बिशप द्वारा किया गया था और कई बार वह गलत होते थे।

G. मत्ती 16:28—रूपान्तरण [18:29- 21:15]

लेकिन फिर भी, इस पर वापस आते हैं: अध्याय 16:28. "मनुष्य के पुत्र को उसके राज्य में आते हुए देखो," यह अध्याय 16 का अंतिम श्लोक है। अध्याय 17 कैसे शुरू होता है? अध्याय 17 रूपांतरण से शुरू होता है। यह रूपांतरण से शुरू होता है। तो "आप में से कुछ" ने ध्यान दिया कि वह कहता है कि आप में से कुछ, आप सभी नहीं, "मनुष्य के पुत्र को उसके राज्य में आते हुए देखेंगे।" और फिर उसके कहने के ठीक बाद आपको रूपांतरण मिला है। इसलिए संदर्भ से कुछ

लोग, जिनमें मैं भी शामिल हूँ, सुझाव देंगे कि यह रूपांतरण हो सकता है जिसका वह यहाँ उल्लेख कर रहा है। वे मनुष्य के पुत्र को रूपांतरित होते हुए देखेंगे, मूसा और एलिय्याह, दूसरे राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए, उसके रूपांतरित शरीर में आने वाले राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए। और इसलिए ये तीन शिष्य, पीटर, जेम्स और जॉन, तब अंतर्दृष्टि रखते हैं या वे यीशु और मूसा और एलिय्याह में परिकल्पित राज्य को कुछ हद तक देख पाते हैं जो रूपांतरण के पर्वत पर रूपांतरित दिखाई देते हैं। तो इस आयत में इसे देखने और राज्य की बात के संदर्भ में इसका जवाब देने के 3 तरीके हैं, पहले से ही, लेकिन अभी तक नहीं पहलू - तो यह आपके भीतर पहले से ही है, लेकिन अभी भी आना बाकी है। मैं यहाँ बस इतना कहना चाह रहा हूँ कि स्वर्ग का राज्य कोई सरल अवधारणा नहीं है। यह वास्तव में एक जटिल अवधारणा है। इसमें कई बारीकियाँ हैं और इसलिए आपको इसकी पहले से ही मौजूदगी को समझना होगा। यह पहले से ही विभिन्न रूपों में यहाँ है, लेकिन फिर आपको यह भी समझना होगा कि यह अभी आना बाकी है। इसके अभी तक आने वाले रूप में भी कई बारीकियाँ हैं। तो यह एक जटिल चीज़ है और यह इस तरह का ध्यान है - अगर आप पहले से ही मौजूदगी पर बहुत ज़्यादा ज़ोर देते हैं, राज्य यहाँ है, राज्य आपके भीतर है और आप अभी तक नहीं को अनदेखा करते हैं, तो आप आने वाली बहुत सी उम्मीदों को खो रहे हैं। दूसरी ओर, आपके पास दूसरे लोग हैं - जो राज्य की पहले से ही मौजूदगी पर ज़ोर देते हैं और अभी तक नहीं वाले हिस्से को अनदेखा करते हैं। फिर उन लोगों को समस्या होगी क्योंकि वे बाइबल से नहीं हैं। साथ ही, फिर आपके पास दूसरे लोग हैं जो अभी तक नहीं वाले पहलू पर ज़ोर देते हैं। इसलिए वे कितना लिखते हैं और वे आने वाले राज्य के बारे में ये सारी बातें पढ़ते हैं और वे कब आने वाले हैं और कैसे आने वाले हैं और वे दिन और घंटे का पता लगाने की कोशिश करते हैं और फिर वे हमेशा पहले से ही पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन "अभी तक नहीं" पक्ष पर नहीं। वे लोग भी, "अभी तक नहीं" गुमराह हैं। मुझे लगता है कि पहले से ही और अभी तक नहीं के बीच एक तनाव होना चाहिए, जहां दोनों को गले लगाया जाए और एक दूसरे से जुड़े और संतुलित किया जाए।

H. राज्य का स्थान, पहले से ही और अभी तक नहीं, यहाँ/वहाँ [21:15-26:14]

सी: एच-जे: 21:15-32:29; यहां और वहां का राज्य

राज्य की अवधारणाएँ, जिन पर हम यहाँ काम करना जारी रखते हैं, एक जटिल अवधारणा है, न कि एक विलक्षण, खंड अवधारणा। जब आप यहूदी लोगों के बारे में सोचते हैं और वे राज्य की अवधारणा को कैसे देखते हैं, तो अतीत में, निर्गमन अध्याय 19, श्लोक 6 में कहा गया है, "तुम मेरे लिए याजकों का राज्य होगे।" और इसलिए इस्राएल की यह धारणा है कि इस्राएल राष्ट्र बाकी मानवता के लिए लगभग एक याजकत्व बन जाता है, कि "तुम मेरे लिए याजकों का राज्य होगे।" वर्तमान में, लूका इस बात को सामने लाता है कि परमेश्वर का राज्य आपके भीतर है। तो लूका में आपके भीतर पहले से ही इस तरह की उपस्थिति, और फिर, भविष्य की ओर मुड़ते हुए, मसीह का भविष्य का शासन, इसमें शेर मेमने के साथ लेटता है, और विभिन्न पहलू जो भविष्य के राज्य के बारे में बात कर रहे हैं और विभिन्न तरीकों से उसका वर्णन कर रहे हैं। तो, वहाँ पहले से ही है, लेकिन अभी तक नहीं। आपको इस पर विचार करने की आवश्यकता है क्योंकि यह परमेश्वर के राज्य को समझने में एक बड़ी बात है और कैसे परमेश्वर का राज्य निकट है, और फिर भी यह आ रहा है, और इसके साथ तनाव और शास्त्र को कैसे समझा जाए। और यह जटिल और सुंदर है।

अब, कुछ लोग कहते हैं कि पहले से ही, लेकिन अभी तक नहीं, और इसका समय से संबंध है। पहले से ही यहाँ है, अभी तक नहीं भविष्य में आने वाला है। लेकिन, मैं इस पर थोड़ा बदलाव करना चाहता हूँ, बस राज्य के यहाँ और वहाँ के पहलू के साथ इसे थोड़ा सा बदलना चाहता हूँ। राज्य यहाँ है और राज्य वहाँ है, इस तरह का पहलू। राज्य यहाँ है और मैं जो करना चाहता हूँ वह यह है - जब मैं छोटा था, मैंने राज्य के बारे में सोचा था, कि यह ऐसा है जैसे हम बादलों पर तैरते हैं और डॉ. मैथ्यूसन ने भी इसे विकसित किया है। वह कहते हैं, "मैं लोगों से कहता हूँ, मैं वहाँ स्वर्ग नहीं जा रहा हूँ। मेरे लिए स्वर्ग यहाँ नीचे है।" वह टिप्पणी करते हैं कि बादलों के चारों ओर तैरना और वीणा बजाना - यह कितना उबाऊ है। इसलिए उनके पास राज्य की एक बहुत ही सांसारिक अवधारणा है और मुझे लगता है कि यह पवित्रशास्त्र में बहुत स्थापित है, लेकिन यह कुछ ऐसा है कि, बहुत बार, ईसाई होने के नाते, हम हमेशा मानते हैं कि राज्य बादलों में, स्वर्ग में, ब्रह्मांड में कहीं बाहर है। बाइबल राज्य का अपनी पूर्णता में वर्णन करती है कि यह पृथ्वी पर है। कि यह राज्य है, कि पृथ्वी का नवीनीकरण किया गया है।

इसलिए मैं इनमें से कुछ अंशों को देखना चाहता हूँ, जहाँ पवित्रशास्त्र इस भविष्य के राज्य के बारे में बात करता है, लेकिन पृथ्वी पर इसकी बहुत ही मौजूदगी को दर्शाता है। और इसलिए, उदाहरण के लिए, यशायाह अध्याय 2 में, वह भविष्य के राज्य के बारे में बात करता है। यशायाह अध्याय 2, श्लोक 2 से 4 में वह कहता है, "अंतिम दिनों में, प्रभु के मंदिर का पर्वत पहाड़ों के बीच मुख्य के रूप में स्थापित किया जाएगा। यह पहाड़ियों और सभी राष्ट्रों से ऊपर उठाया जाएगा" - आप सभी राष्ट्रों के लिए यह अब्राहमिक बात देखते हैं - "सभी राष्ट्र इसमें बहेंगे। बहुत से लोग आएंगे और कहेंगे, 'आओ, हम प्रभु के पर्वत पर चढ़ें, याकूब के परमेश्वर के घर में। वह हमें अपने मार्ग सिखाएगा, ताकि हम उसके पथों पर चलें।' कानून सिय्योन से निकलेगा, यरूशलेम से प्रभु का वचन। वह राष्ट्रों के बीच न्याय करेगा और कई लोगों के लिए विवादों को सुलझाएगा। वे अपनी तलवारें हल के फाल में और अपने भालों को हंसियों में पीटेंगे।" यह भविष्य का राज्य है, जहाँ आप अपनी तलवारें हल के फाल में पीटते हैं। हल के फाल का क्या संबंध है? क्या आप बादलों को जोतते हैं? क्या आप स्वर्ग में कोई स्वर्गीय खेत जोतते हैं? नहीं, आप अपनी तलवार लेते हैं और उसे हल के फाल में डालते हैं क्योंकि आप ज़मीन जोतने जा रहे हैं। यह धरती पर है। आप एक बगीचा बनाने जा रहे हैं, और आप फसलें उगाएँगे, इस तरह की चीज़ें। तो क्या आप देखते हैं कि हम जो कर रहे हैं वह इस राज्य की अवधारणा को फिर से जोड़ना है, क्योंकि यह हमें वापस अदन के बगीचे में ले जा रहा है। तो, उत्पत्ति 2 में मनुष्यों को धरती और बगीचे में बगीचे की देखभाल और देखभाल करने के लिए रखा गया है। और जब यशायाह की पुस्तक में राज्य का वर्णन किया जाता है, तो यह बहुत सांसारिक है। यह बहुत ही बगीचे जैसा है, अगर आप चाहें। और बाइबल का इतना हिस्सा अदन की ओर वापसी है। और इसलिए यह यशायाह 2:2-4 है।

I. यशायाह में आने वाला राज्य—यहाँ [26:14- 29:00]

अगर आप आगे बढ़कर यशायाह अध्याय 9 की आयत 6 से 7 को देखें तो इसमें लिखा है, "क्योंकि हमारे लिए एक बच्चा पैदा हुआ है।" जैसे ही मैं यह कहता हूँ, आपको क्रिसमस के सभी गाने याद आ जाते हैं जो इसी पर आधारित हैं। "और वह दाऊद के सिंहासन पर राज करेगा" फिर से, वह दाऊद का बेटा है। "और उसके राज्य पर।" तो यह दाऊद के सिंहासन और उसके राज्य

पर है। आप यहाँ हैं और यह राज्य की बात यहाँ है, दाऊद के बेटे जैसी बात, "उस समय से लेकर हमेशा के लिए न्याय और धार्मिकता के साथ इसे स्थापित करना और बनाए रखना।" तो, राज्य आ रहा है और यह दाऊद का राज्य हमेशा के लिए धार्मिकता और न्याय स्थापित करते हुए शासन करेगा। यशायाह अध्याय 9, आयत 6 से 7। फिर अध्याय 11, यशायाह अध्याय 11-- और मुझे इसे थोड़ा और विस्तार से पढ़ने दें, अध्याय 11 आयत 6 और उसके बाद। आपको यह मिलता है, "भेड़िया मेमने के साथ रहेगा।" तो आपके पास जानवर हैं - अब फिर से, क्या यह हम फिर से बादलों में अपनी वीणा बजाते हुए और ऊपर स्वर्ग में हैं? नहीं, यह एक भेड़िये और एक मेमने के बारे में बात कर रहा है। उन्होंने अब पश्चिम में भेड़ियों को फिर से पेश किया है, इसलिए वे बढ़ रहे हैं, इसलिए हमारे पास बहुत सारे भेड़िये होने वाले हैं। "भेड़िया मेमने के साथ रहेगा। तेंदुआ बकरी के साथ लेटेगा। बछड़ा और शेर और साल भर का बच्चा एक साथ और एक छोटा बच्चा उनका नेतृत्व करेगा।" बहुत दिलचस्प है। तो आपके पास एक भेड़िया, एक शेर और उनका नेतृत्व करने वाला एक बच्चा है। क्या यह किसी को याद है? एक शेर और उसका नेतृत्व करने वाला एक बच्चा? क्या किसी को सीएस लुईस द्वारा लिखित क्रॉनिकल्स ऑफ़ नार्निया याद है? क्या नार्निया श्रृंखला में उन्होंने जो कुछ बनाया है, वह इस तरह की चीजों के माध्यम से मध्यस्थता करने वाले राज्य की अवधारणा है। "गाय भालू के साथ चरेगी, और उनके बच्चे साथ-साथ लेटेंगे। शेर बैल की तरह भूसा खाएगा। शिशु कोबरा के बिल के पास खेलेगा और छोटा बच्चा अपना हाथ सांप के घोंसले में डालेगा। वे मेरे पूरे पवित्र पर्वत पर न तो नुकसान पहुँचाएँगे और न ही विनाश करेंगे।" सांप, शेर, भेड़िया, भालू - ये इस धरती के जानवर हैं। "वे मेरे पवित्र पर्वत पर न तो नुकसान पहुँचाएँगे, न ही विनाश करेंगे क्योंकि पृथ्वी प्रभु के ज्ञान से भर जाएगी जैसे पानी समुद्र को भर देता है।" इस धरती और इस तरह के अविश्वसनीय तरीकों से इसके नवीनीकरण के बारे में बात करते हुए सुंदर, सुंदर कल्पनाएँ हैं। यशायाह अध्याय 11 में, सुंदर, सुंदर अंश हैं।

जे. यहाँ और वहाँ राज्य की आशा [29:00- 32:29]

तो राज्य यहाँ है और फिर भी राज्य आना है। तो, राज्य - यह एक सुंदर अवधारणा है। आपकी आशा कहाँ है? आप उस आशा की कल्पना कैसे करते हैं? 1 यूहन्ना एक सुंदर अंश है और

वह कह रहा है, "वे जो मसीह की वापसी की आशा रखते हैं।" वे कैसे प्रतिक्रिया देते हैं? "वे खुद को शुद्ध करते हैं जैसे वह शुद्ध है।" तो, दूसरे शब्दों में, मसीह के आने की यह उम्मीद कुछ ऐसी है जो हमें मसीह की तरह बनने का कारण बनती है। मैं एक ऐसे घर में बड़ा हुआ हूँ जहाँ मेरे पिता - मुझे याद है कि मेरे जीवन का अधिकांश समय हमारे घर की खिड़की पर जाकर, हर दिन, कहते थे, "तुम्हें पता है, यीशु आज वापस आ सकते हैं।" इससे उनका जीवन बदल गया। उन्होंने अपना पूरा जीवन इसी बात के प्रकाश में जिया। चौहत्तर साल तक वे इस तथ्य के प्रकाश में रहे कि यीशु आज वापस आ सकते हैं। इससे वे बदल गए, इससे उनका जीवन शुद्ध हो गया। मुझे याद है जब वह कैंसर से पीड़ित था, और मुझे पता था कि यह वास्तव में अंतिम चरण में है और हम घर पर उसकी देखभाल कर रहे थे, और उसने मुझसे कहा, उसने कहा, "आप जानते हैं, मैंने अपने पूरे जीवन में मसीह के वापस आने की प्रतीक्षा की है, और वास्तव में अब मुझे एहसास हुआ है कि मैं उसके पास जा रहा हूँ, वह मेरे पास नहीं आ रहा है," और यह उसके निधन से कुछ दिन पहले की बात है। उसे एहसास हुआ कि वह मसीह के साथ रहने वाला था। तो वह आशा, वह परिवर्तनकारी आशा, जो हमें शुद्ध करती है। "हम जानते हैं कि जब हम उसे देखेंगे, तो हम उसके जैसे हो जाएँगे, और हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वह है।" यह परिवर्तन होगा जो घटित होगा, आने वाला राज्य।

तो वहाँ, "मेरा राज्य," यीशु कहते हैं, "इस दुनिया का नहीं है।" लेकिन आप कहते हैं, "एक मिनट रुको, हिल्डेब्रांट, तुमने इस बात के बारे में बात की कि यह बहुत सांसारिक है।" अब वह उस समय कह रहा है, यह सांसारिकता, वासना या जीवन के गर्व और उस प्रकार की चीजों, शरीर की वासना नहीं थी। उसकी चीज़, इस दुनिया की नहीं - यह पिता से आती है, और यह पृथ्वी पर होने जा रही है, लेकिन पृथ्वी की नहीं - जॉन अध्याय 16 में उस तरह की चीज़। तो राज्य के लिए यह यहाँ है और वहाँ है। राज्य आने वाला है। रहस्योद्घाटन की पुस्तक राज्य के नीचे आने का वर्णन करती है, नया यरूशलेम नीचे आ रहा है और जीवन के वृक्ष के फिर से प्रकट होने के साथ अदन का बगीचा बन रहा है। तो आपको राज्य आता हुआ दिखाई देता है, लेकिन फिर राज्य यहाँ भी है। तो यह यहाँ है और यह वहाँ है। यह पहले से ही है, लेकिन यह अभी तक नहीं है। इसलिए आपको ये तनाव मिलते हैं और यह आश्चर्यजनक रूप से जटिल, सुंदर है कि मसीह हमारे साथ है - इममानुएल। हम उसकी वापसी और दाऊद के पुत्र के रूप में उसके राज्य की स्थापना की आशा करते हैं जो

हमेशा-हमेशा के लिए धार्मिकता और न्याय में शासन करेगा। इस दुनिया की सभी गलतियों को लें और उन्हें सही करें। इस जगह को ठीक करें ताकि यह उस तरह से गुनगुनाए जैसा कि इसे होना चाहिए। शेर मेमने के साथ लेट जाता है। न्याय और धार्मिकता शासन करती है। हमारे जीवन में एक बार चीजें सही होती हैं। इसलिए हम इसकी आशा करते हैं। हम राज्य के आने की आशा करते हैं, उसकी इच्छा पूरी हो, पृथ्वी पर भी जैसे स्वर्ग में होती है।

के. मैथ्यू का समय पर विचार [32:29- 35:30]

डी: संयुक्त केपी; 32:29-53:41; मैथ्यू में भविष्यवाणी/पूर्ति

ठीक है, अब हम इसके दूसरे पहलू पर जाना चाहते हैं और हम कहना चाहते हैं - यहाँ सिर्फ़ एक समीक्षा है। हम वापस उसी जगह पर आ रहे हैं जहाँ हम थे। हमने मैथ्यू की कहानी कही, मैथ्यू व्यवस्थित है। हम मार्क के साथ उसके रिश्ते, ल्यूक के साथ उसके रिश्ते, बिखराव और मैथ्यू ल्यूक में जो है उसे इकट्ठा करने के बारे में बात करते हैं। मार्क यीशु के चमत्कारों या कार्यों के बारे में बताता है, लेकिन मैथ्यू यीशु के शब्दों के बारे में बताता है। फिर हमने जेम्स की पुस्तक से समानता दिखाई। हमने प्रेरितों के बारे में बात की, शिष्यत्व के बारे में जिसे मैथ्यू शिष्यत्व की कीमत के संदर्भ में विकसित करता है, सच्चे और झूठे शिष्यों के संदर्भ में, यीशु को समझने और आज्ञाकारिता के संदर्भ में, उनके तरीके का अनुसरण करने, मसीह की नकल करने के संदर्भ में। हमने मसीह के धर्मशास्त्र, मसीह के वास्तविक ईश्वरत्व के तथ्य, मैथ्यू की पुस्तक में इम्मानुएल के बारे में बात की, जो हमें सिखाता है कि मसीह ईश्वर है और मसीह राजा है और दाऊद के बेटे के साथ काम कर रहा है। अब हम समय की ओर मुड़ने जा रहे हैं। हम मैथ्यू की पुस्तक में भूत, वर्तमान और भविष्य का अध्ययन करने जा रहे हैं। इसलिए हम आगे समय पर जाना चाहते हैं और फिर हम अंततः पुस्तक के हिब्रू अभिविन्यास पर जाएंगे। हम शायद अगली बार ऐसा करेंगे। गैर-यहूदी पहलू की व्यापकता, क्या आप देखते हैं कि यह हिब्रू की तरह है, लेकिन बहुत सी चीजों के संदर्भ में गैर-यहूदी भी है, हम

उस तत्व को दिखाएंगे। पुस्तक की गवाही, और फिर, अंत में, लेखक की शैली। तो आप देख सकते हैं कि यहाँ मैथ्यू किस तरह से लिखा गया है, और हम अभी इस पर काम कर रहे हैं।

मैथ्यू की पुस्तक में समय को किस तरह से पेश किया गया है? मैथ्यू का समय के बारे में क्या कहना है? मैं सबसे पहले अतीत के संदर्भ में समय के उनके उपयोग को देखना चाहता हूँ। मैथ्यू चालीस से ज़्यादा बार पुराने नियम को उद्धृत करता है। कम से कम चालीस बार, मैथ्यू पुराने नियम का ज़िक्र करता है। इसका मतलब है कि लगभग हर अध्याय में, पुराने नियम के लगभग दो उद्धरण हैं। यह बहुत है। मैथ्यू मैथ्यू की पुस्तक में पुराने नियम का बहुत ज़्यादा ज़िक्र करता है। इसलिए मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि मैथ्यू पुराने नियम की भविष्यवाणियों की पूर्ति और नए नियम में उनकी पूर्ति के बारे में बात करने जा रहा है। हम सिर्फ़ भविष्यवाणी और पूर्ति के बीच के संबंध को देखना चाहते हैं और मैं यह कहना चाहता हूँ कि मैथ्यू की पुस्तक में यह भविष्यवाणी कैसे पूरी हुई है? हम जो देखने जा रहे हैं वह यह है कि पूर्ति की अवधारणा भी बहुत जटिल है और वे सभी एक ही तरह से पूरी नहीं होती हैं। इसके साथ भी बारीकियाँ हैं, जिसका मतलब है कि यह एक शानदार, समृद्ध, रंगीन, तरह का वातावरण है। तो किस अर्थ में मत्ती की पुस्तक में पुराने नियम की "पूर्ति" हुई है? हम पुराने नियम में यीशु के बारे में की गई कुछ भविष्यवाणियों को देखना चाहते हैं। तो भविष्यवाणी और पूर्ति वह मूल भाव है कि भविष्यवक्ताओं ने कुछ भविष्यवाणी की थी और क्या अब हम इसे यीशु में पूरी होते देखेंगे और यही बात नए नियम में हो रही है।

एल. भविष्यवाणी की पूर्ति—कुंवारी जन्म [35:30- 39:02]

सबसे पहले, कुंवारी जन्म - यशायाह अध्याय 7, श्लोक 14, "देखो, एक कुंवारी गर्भवती होगी और एक बेटे को जन्म देगी, और तुम उसका नाम इम्मानुएल रखना, जिसका अर्थ है 'हमारे साथ परमेश्वर।'" अब यह बहुत दिलचस्प है, आप पीछे जाते हैं और यशायाह की पुस्तक में "कुंवारी गर्भवती होगी" पर सभी प्रकार की बहसें हैं। इसका वास्तव में क्या मतलब है कि यशायाह और उसकी पत्नी, या वहाँ एक दोहरा अर्थ था, और वहाँ एक तरह की बड़ी कुंवारी थी। मरियम, फिर से मरियम, मैथ्यू 1:23 में, यह बहुत स्पष्ट है: "मरियम यूसुफ को नहीं जानती थी।" "जानना" का अर्थ यौन संबंध बनाने के अर्थ में है। तो मरियम एक कुंवारी थी, और उसने एक बेटे को जन्म दिया, और

वास्तव में यूसुफ इस बात से परेशान था। वह इस महिला से सगाई कर रहा है और अचानक उसे पता चलता है कि वह गर्भवती है। उसे पता चलता है कि यह उसने नहीं किया है, इसलिए अब उसे - वह मरियम के साथ क्या करने जा रहा है? चुपचाप उसे तलाक दे दो। वह चीजों को लेकर बड़ा तमाशा नहीं बनाना चाहता था। देवदूत आता है और कहता है, "जोसफ, जोसफ। जो उसमें पैदा हुआ है वह पवित्र आत्मा से है।" तो कुंवारी जन्म की भविष्यवाणी की गई है और इसलिए आपको इस तरह की भविष्यवाणी और पूर्ति मिलती है। वैसे, जैसा कि यशायाह में था, यह सिर्फ इतना ही स्पष्ट नहीं है। यशायाह के साथ भी कुछ चीजें चल रही थीं, उस समय इस अंश का अर्थ बताते हुए, लेकिन यह पुराने नियम के पाठ्यक्रम के लिए है। इससे भी बेहतर है कि डॉ. विल्सन के भविष्यवक्ताओं पर पाठ्यक्रम लें जिसमें वह भविष्यवक्ता यशायाह के साथ-साथ कई अन्य भविष्यवक्ताओं के बारे में भी बताएंगे।

अब, बेथलेहम - यह एक दिलचस्प भविष्यवाणी है। मीका ने भविष्यवाणी की है कि मसीहा यहूदिया के बेथलेहम में पैदा होगा। यरुशलम बेथलेहम से लगभग पाँच मील उत्तर में है। बेथलेहम यरुशलम से लगभग पाँच मील दक्षिण में है। वे निकट से संबंधित शहर हैं। मेरा मतलब है कि वे अलग-अलग हैं, लेकिन वे करीब हैं। बेथलेहम एक बहुत छोटा शहर था - यह गॉर्डन कॉलेज में आसानी से समा सकता था - यरुशलम की तुलना में एक बहुत छोटा शहर। इसलिए, मैं हमेशा लोगों से पूछता हूँ। "आप जानते हैं, मीका, यीशु के जन्म से सात सौ साल पहले, भविष्यवाणी करता है कि मसीहा बेथलेहम में पैदा होगा - आप कितने लोगों को जानते हैं जो बेथलेहम में पैदा होंगे?" खैर, स्पष्ट रूप से, सभी शताब्दियों में, बेथलेहम में बहुत से लोग पैदा नहीं हुए हैं और उनमें से कोई भी बहुत प्रसिद्ध नहीं है। वास्तव में, शायद बेथलेहम से केवल दो या तीन लोग ही होंगे जिन्हें आप जानते हैं। आप कहते हैं, "ठीक है, आप इसके बारे में सोचते हैं, यीशु का जन्म बेथलेहम में हुआ था।" ठीक है, यीशु का जन्म वहाँ हुआ था, अब तक पैदा हुए सबसे प्रसिद्ध व्यक्ति का जन्म वहाँ हुआ था। लेकिन बेथलेहम डेविड का शहर था, और वास्तव में तब आप सोचना शुरू करते हैं, "ठीक है, डेविड का जन्म बेथलेहम में हुआ था और इसका मतलब है कि जेसी, उनके पिता, बेथलेहम में पैदा हुए थे, उनके भाई एलीआब भी थे" और आप कहते हैं, "ठीक है, मैं कुछ लोगों को जानता हूँ - ओह रूथ और नाओमी और बोअज़ के बारे में क्या? यह सब बेथलेहम में भी होता है, है

न?" बोअज़ और रूथ और नाओमी - एलीमेलेक और उन लोगों के साथ याद रखें कि रूथ की आशा और वह सब बेथलेहम के संदर्भ में होता है। रूथ और बोअज़ डेविड के दादा-दादी या कुछ और हैं और फिर डेविड जीसस के पर-महान-महान-महान-महान-महान-महान दादा-दादी हैं। तो, बेथलेहम - 700 साल। तो मीका ने भविष्यवाणी की कि बेथलेहम वह स्थान होगा जहाँ मसीहा का जन्म होगा। जीसस का जन्म बेथलेहम में हुआ। तो आपके पास भविष्यवाणी है और आपके पास पूर्ति है। भविष्यवाणी और पूर्ति।

मिस्र से/के लिए उड़ान [39:02-43:27]

अब, जो बात दिलचस्प है वह यह है कि मत्ती 2:15 में यह है। और फिर, यह एक अलग बात है और मैं इसे मत्ती अध्याय 2 में इसके संदर्भ में आपको पढ़कर सुनाता हूँ। मत्ती 2:15 में यह कहा गया है: "तब वह उठा और रात में माँ और उसके बच्चे को लेकर मिस्र चला गया, जहाँ वह हेरोदेस की मृत्यु तक रहा।" तो वह मिस्र जा रहा है और हेरोदेस की मृत्यु तक वहाँ रहता है। "और इस प्रकार वह वचन पूरा हुआ जो प्रभु ने भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा था, 'मैंने अपने पुत्र को मिस्र से बुलाया।'" यह होशे 11:1 है। इसकी विडंबना यह है कि यदि आप होशे 11:1 पर वापस जाते हैं - तो मैं आपको इसे इसके संदर्भ में पढ़कर सुनाता हूँ, और आप कहते हैं, "यह कैसे पूरा हुआ?" ठीक है, यह होशे अध्याय 11, श्लोक 1 था। यह कहता है: "जब इस्राएल एक बच्चा था, तब मैंने उससे प्रेम किया।" तो यहाँ किसके बारे में बात की जा रही है? इस्राएल परमेश्वर का बच्चा था, और वह कह रहा है, "जब इस्राएल बच्चा था, तब मैंने उससे प्रेम किया।" क्या आपको होशे की पुस्तक याद है, होशे को परमेश्वर ने गोमेर से विवाह करने के लिए कहा था, और गोमेर एक वेश्या थी। वह होशे के प्रति विश्वासघाती होगी, और होशे को उसे वापस खरीदना था और उससे फिर से प्रेम करना था। फिर होशे के ये बच्चे हुए, लोमी, लोरुहामा, और उसके बच्चों का नाम "कोई दया नहीं" और "मेरे लोग नहीं" रखा गया। तो होशे में यह सारी विवाह त्रासदी और फिर होशे में यह कहा गया है, "जब इस्राएल बच्चा था, तब मैंने उससे प्रेम किया, और मिस्र से मैंने अपने बेटे को बुलाया।" होशे 11:1 में, वह बेटा कौन है जिसे मिस्र से बुलाया जाता है? यह इस्राएल है। इस्राएल परमेश्वर का पुत्र है और परमेश्वर इस्राएल को मिस्र से बुलाता है और फिर अगले श्लोक पर ध्यान दें, वैसे मैथ्यू में इसका

उल्लेख नहीं है, यह कहता है, "लेकिन जितना अधिक मैंने इस्राएल को बुलाया उतना ही वे मुझसे दूर चले गए और उन्होंने बाल देवताओं को बलि चढ़ाई और मूर्तियों के लिए धूप जलाया।"

क्या आप कभी किराने की दुकान पर गए हैं और आपने देखा है कि माता-पिता अपने बच्चों के साथ किराने की दुकान में हैं और बच्चे अपने माता-पिता से दूर भागते हैं? जितना अधिक वे उन्हें पुकारते हैं, उतना ही वे भागते हैं। भगवान कह रहे हैं, "यही तरीका इसराइल के साथ था। मैंने उन्हें मिस्र से बाहर बुलाया, मैंने अपने बेटे इसराइल को बुलाया और जितना अधिक मैंने उन्हें पुकारा उतना ही वे मुझसे दूर भागे।" जब मैं अपने बच्चों को किराने की दुकान पर ले जाता हूँ तो मुझे इसका समाधान यह मिलता है कि आप बच्चों को गाड़ी में बिठा दें। इस तरह वे भाग नहीं सकते और भाग नहीं सकते।

"मैंने अपने बेटे को मिस्र से बुलाया।" अब, यह किस अर्थ में पूरा हुआ? होशे वास्तव में इस्राएल को मिस्र से बुलाए जाने के बारे में बात कर रहा था। तो मैथ्यू की पुस्तक में यह कैसे पूरा हुआ? अचानक आपको एहसास होता है कि यहाँ पूरा होना यह भविष्यवाणी नहीं कर रहा है कि यीशु ऐसा करेंगे। इसका मतलब यह है कि यीशु इस्राएल का एक प्रकार था। यीशु महान इस्राएल है। जैसे परमेश्वर ने अपने बेटे, इस्राएल को मिस्र से बुलाया, वैसे ही अब परमेश्वर अपने बेटे, परमेश्वर के पुत्र को मिस्र से बुला रहा है। इसलिए यीशु इस्राएल को फिर से दोहरा रहा है और उसकी प्रतिध्वनि कर रहा है। यीशु नया इस्राएल है। जब इस्राएल मिस्र से बाहर आया, तो परमेश्वर ने उन्हें मिस्र से बुलाया और वे जंगल में चले गए और परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और उन्होंने जंगल में इसे गड़बड़ कर दिया। अब आपके पास यीशु, नया इस्राएल है, जो मिस्र से बाहर आ रहा है। अब नया इस्राएल इसे सही करने जा रहा है। वह जंगल में जाएगा और परीक्षा में आएगा, लेकिन वह विजयी होगा। इसलिए यीशु नया इस्राएल है। तो यह क्या है, क्या यह भविष्यवाणी की पूर्ति जैसी बात नहीं है। यह एक प्रतिध्वनि या प्रतीकात्मक है। जैसा कि यह इज़राइल के लिए था, वैसे ही यह यीशु, नए इज़राइल के लिए भी है। तो आपको इज़राइल और यीशु के बीच यह समानता मिल गई है। तो पूर्ति एक प्रकार बनाम प्रतिरूप प्रकार की चीज़ की तरह है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि पूर्ति का मतलब है - कभी-कभी एक भविष्यवक्ता सटीक पूर्ति करता है कि यह दाऊद का पुत्र होगा और

वह हमेशा के लिए शासन करेगा। अन्य बार, पूर्ति अधिक होती है - जैसा कि इज़राइल के साथ था, वैसा ही यह यीशु के साथ होगा - यह एक समानांतर प्रकार की चीज़ की तरह है।

N. भविष्यवाणी की पूर्ति—शिशुओं का वध [43:27-47:09]

शिशुओं का वध - अब यह बहुत ही रोचक है। मैथ्यू 2:18 में शिशुओं का वध - और मैं बस वहाँ पर आता हूँ। मैथ्यू 2:18 में यह लिखा है: "तब जो यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हुआ।" यिर्मयाह ने क्या कहा? "रामा में एक आवाज़ सुनाई दी, रोना और बहुत विलाप, राहेल अपने बच्चों के लिए रो रही थी और शांत होने से इनकार कर रही थी क्योंकि वे अब नहीं रहे।" यह कैसे पूरा हुआ? वहाँ क्या हो रहा है? राहेल आखिर कौन है? और उसका बेथलेहम से क्या लेना-देना है? वहाँ जो हो रहा है वह वास्तव में उत्पत्ति 35:19 में वापस जा रहा है। मूल रूप से आपको जो मिलता है वह राहेल बेथलेहम के बाहर मरती है। इसलिए उन्होंने राहेल के लिए एक मकबरा बनाया। राहेल की कब्र आज भी वहाँ है। मुझे लगता है कि अरबों ने इसे उड़ा दिया, लेकिन मुझे लगता है कि यहूदियों ने इसे फिर से बनाया। लेकिन यरूशलेम के बाहर, बेथलेहम के बाहर, जैसे ही आप आते हैं - यरूशलेम यहाँ है, बेथलेहम से 5 मील दक्षिण में, एक प्रमुख सड़क है जो रिज रूट से नीचे जाती है। यह यरूशलेम के किनारे से नीचे जाती है और बेथलेहम के बगल में और बेथलेहम के बाहर इस रिज रूट पर यह वह जगह है जहाँ राहेल को दफनाया गया है या कथित तौर पर दफनाया गया है। तो क्या होता है कि राहेल अपने बच्चों के लिए रो रही है और उसे सांत्वना नहीं मिल रही है क्योंकि वे नहीं हैं। उसे बेथलेहम के संरक्षक संत या संरक्षक संत के रूप में लिया जाता है। तो वह बेथलेहम के ठीक बाहर है - यह उसकी कब्र है। तो वह बेथलेहम की एक तरह की संरक्षक है।

तो अब क्या होता है कि आप कहते हैं, "ठीक है, एक मिनट रुको जब आप यिर्मयाह अध्याय 31 को देखते हैं, तो यह यीशु और हेरोदेस के समय में शिशुओं की हत्या का उल्लेख नहीं करता है।" यिर्मयाह 31:15 में, यह राहेल का जिक्र कर रहा है जो अपने बच्चों के लिए रो रही है जो नबूकदनेस्सर के साथ बेबीलोन में निर्वासन में जा रहे हैं और कैसे वह और बेबीलोनवासी 586 ईसा पूर्व में आएंगे और मंदिर को नष्ट कर देंगे। वे यरूशलेम को नष्ट कर देंगे, सोलोमोनिक मंदिर को

पूरी तरह से नष्ट कर देंगे, पहला मंदिर। तो यिर्मयाह राहेल का जिक्र कर रहा है जो अपने बच्चों के लिए रो रही है जो निर्वासन में जा रहे हैं। फिर आपके पास जो है वह यह है कि मैथ्यू इस श्लोक को लेता है और कहता है, "क्या आप उत्पत्ति 35 में बेथलेहम के बाहर राहेल की मृत्यु से प्रतिध्वनि सुन सकते हैं?" फिर यिर्मयाह की ओर बढ़ते हुए, जो राहेल को अपने बच्चों के लिए रोते हुए दिखाता है, क्योंकि उसके बच्चे निर्वासन में जाते हैं और बेबीलोनियों द्वारा उन्हें नष्ट कर दिया जाता है, और अब वही श्लोक यीशु के साथ वापस प्रतिध्वनित होता है, कि यीशु के दिनों में, राहेल फिर से अपने बच्चों के लिए रो रही है क्योंकि हेरोदेस बेथलेहम के दो बच्चों को मार देता है। तो आप इसे बेथलेहम में राहेल की मृत्यु से लेकर यिर्मयाह के साथ निर्वासन में यीशु और शिशुओं की हत्या तक पवित्रशास्त्र के माध्यम से प्रतिध्वनित पाते हैं। तो यह उस अर्थ में, एक पूर्वाभास, एक पूर्वाभास के अर्थ में पूरा होता है, जो इतिहास के माध्यम से प्रतिध्वनित होता है, कि इतिहास खुद को दोहराता है। तो आप यही सब होते हुए देखते हैं - राहेल वहाँ मरती है, बच्चे निर्वासन में मरते हैं और राहेल अपने बच्चों के निर्वासन में जाने के लिए रोती है और अंत में, जब बच्चे बेथलेहम में मरते हैं तो यीशु, और एक बार फिर राहेल रोती है।

ओ. यहूदी धर्म का समय के बारे में दृष्टिकोण [47:09- 48:58]

तो शास्त्र में एक दिलचस्प बात है। आपको इस तरह का दोहराया हुआ चक्र मिलता है, जहाँ एक चीज़ बार-बार होती है। और इसे, फिर, पूर्ति कहा जाता है क्योंकि यह बार-बार होती है। तो इसमें एक तरह की गोलाकार प्रकृति है, और यहाँ तक कि सभोपदेशक भी इस ओर इशारा करते हैं जहाँ मूल रूप से चीज़ें होती हैं और फिर संकेत के तहत कुछ भी नया नहीं होता है, क्योंकि चीज़ें बार-बार होती हैं। जबकि मेरे दामाद अक्सर कहते हैं, "सेब पेड़ से दूर नहीं गिरता है।" दूसरे शब्दों में, एक पीढ़ी में जो होता है वह अगली पीढ़ी में होता है - सेब पेड़ से दूर नहीं गिरता है। यहूदी धर्म का एक रेखीय दृष्टिकोण है कि इतिहास समाप्त हो रहा है। हाँ, यह अपने दोहराव वाले चक्रों में चक्रीय है, इसलिए यह एक चक्र की तरह है। यह एक सर्पिल की तरह है जो किसी चीज़ की ओर बढ़ रहा है और एक अंत, एक नियति है। बहुत सी संस्कृतियों में समय का एक गोलाकार दृष्टिकोण है, और यह कि सब कुछ गोलाकार, गोलाकार, गोलाकार है और आप कहीं नहीं जा रहे हैं। यह

यहूदी धर्म या ईसाई धर्म में सच नहीं है। एक नियति है। एक अंत है। एक राज्य आ रहा है जो सभी की नियति है। तो यहाँ आपको यह प्रतिध्वनि, यह प्रतिध्वनि पूर्ति मिल रही है। मैं बस यह बताने की कोशिश कर रहा हूँ कि यह शब्द “पूर्ति” का उपयोग किया जाता है – कभी-कभी प्रत्यक्ष पूर्ति, भविष्यवाणी और फिर पूर्ति में। कभी-कभी यह एक भविष्यवाणी और फिर पूर्ति होती है, इस तरह जैसे कि इस्राएल था, वैसे ही यीशु है। एक तरह की तुलना और यही पूर्ति (प्रकार/प्रतिरूप) है। यहाँ आपको एक पूर्ति मिलती है जैसे कि यह यिर्मयाह के दिनों में हुई थी, इसलिए यह यीशु के दिनों में हुई और यह उत्पत्ति से यिर्मयाह और यीशु तक प्रतिध्वनि और प्रतिध्वनि है। तो राहेल के अपने बच्चों के लिए रोने की यह प्रतिध्वनि है।

22 में भविष्यवाणी और पूर्ति [48:58- 53:41]

यहाँ कुछ अन्य भविष्यवाणियाँ हैं और मैं इनके बारे में विस्तार से नहीं बताना चाहता। जकर्याह 11:12 में यहूदा का उल्लेख है, कि मसीहा को तीस चाँदी के सिक्कों के लिए धोखा दिया जाएगा, और इसलिए मत्ती ने जकर्याह 11 से इसे उठाया। यिर्मयाह ने जिस व्यक्ति की ओर इशारा किया, वह विश्वासघात की कीमत पर एक खेत खरीदेगा। तो आप यिर्मयाह की भविष्यवाणी को देखते हैं। सैनिकों द्वारा चिट्ठियाँ डालना: यह भजन संहिता में एक सुंदर, वास्तव में सुंदर नहीं, बल्कि दुखद अंश है। अब भजन संहिता का इससे क्या लेना-देना है, आप कहते हैं, "एक मिनट रुकिए, भजन वास्तव में भविष्यसूचक नहीं हैं," लेकिन एक अर्थ में भजन संहिता की पुस्तक में एक पूर्ति होती है। आइए देखें कि क्या मैं इसे यहाँ ला सकता हूँ। मैं बस भजन संहिता 22, श्लोक 18 पढ़ता हूँ। इसमें सैनिकों द्वारा चिट्ठियाँ डालने के बारे में बात की गई है। मैं उससे थोड़ा पहले शुरू करता हूँ। “बहुत से बैलों ने मुझे घेर लिया है, बाशान के बलवान बैलों ने मुझे घेर लिया है। गरजते हुए शेर अपना मांस नोचते हैं, अपने शिकार को नोचते हैं, मेरे खिलाफ अपना मुंह खोलते हैं। मैं पानी की तरह बह गया हूँ, मेरी सारी हड्डियाँ टूट गई हैं।” इस बारे में सोचें। “मैं पानी की तरह बह गया हूँ। मेरी सारी हड्डियाँ टूट गई हैं। मेरा दिल मोम बन गया है। यह मेरे भीतर पिघल गया है। मेरी ताकत मिट्टी के बर्तन की तरह सूख गई है। मेरी जीभ मेरे मुंह की छत से चिपक गई है। तुम मुझे मौत की धूल में लिटा देते हो। कुत्तों ने मुझे घेर लिया है, दुष्ट लोगों के एक समूह ने मुझे घेर लिया है। उन्होंने

मेरे हाथ और मेरे पैर छेद दिए हैं।" इस बारे में सोचें। यह दाऊद है, यह भजन 22 है। दाऊद भजन 22 लिख रहा है, और वह कहता है, "कुत्तों ने मुझे घेर लिया है, दुष्ट लोगों के एक समूह ने मुझे घेर लिया है। उन्होंने मेरे हाथ और मेरे पैर छेद दिए हैं। मैं अपनी सारी हड्डियाँ गिन सकता हूँ। लोग मुझे घूरते हैं और मुझ पर खुश होते हैं। वे मेरे कपड़ों को आपस में बाँट लेते हैं और मेरे कपड़ों के लिए चिट्ठियाँ डालते हैं।" यीशु के साथ बिल्कुल ऐसा ही हुआ। अब यह कैसे है? क्या यह डेविड है? डेविड एक भविष्यवक्ता है जो भविष्यवाणी कर रहा है - भविष्यवाणी, पूर्ति। हाँ, क्या डेविड एक भविष्यवक्ता है? नहीं, आप कहते हैं कि डेविड इज़राइल का मधुर भजनकार है। डेविड ईश्वर के दिल के अनुसार एक व्यक्ति है और क्या ईश्वर ने डेविड को यह दिखाया? जब वह गीत गाता है, तो वह अपने आस-पास के लोगों के बारे में बात करता है। इसमें उसकी सभी हड्डियों, उसके मुँह की छत से चिपकी हुई उसकी जीभों का उल्लेख है। फिर वह अपने कपड़ों के बारे में बात करता है - "उन्होंने उसके कपड़ों के लिए चिट्ठियाँ डालीं।" उन्होंने उसके हाथ और पैर छेद दिए हैं। क्या यह यीशु के साथ जो हो रहा है उसका वर्णन है? तो आप पूछते हैं, "क्या डेविड ने इसे समझा?" मुझे नहीं पता कि डेविड ने क्या समझा, लेकिन मैं यहाँ बस इतना कह रहा हूँ, फिर से, आपको यह समानांतर मिल गया है कि डेविड कुछ ऐसा देख रहा है जो एक हज़ार साल बाद होने वाला है। वह लगभग 1000 ईसा पूर्व का है। वह लगभग एक हज़ार साल पहले के इतिहास को देखता है और वह अपने संघर्ष में मसीह के संघर्ष को देखता है, लेकिन फिर मसीह के संघर्ष में। लेकिन फिर वह विलाप के गीत में इसके बारे में लिखता है। वह कहता है, "मेरे हाथ और मेरे पैर छिदे हुए हैं। उन्होंने मेरे कपड़ों के लिए चिट्ठी डाली। मेरी जीभ मेरे मुँह की छत से चिपकी हुई है और लोग मुझे घेर रहे हैं।" भजन 22 कैसे शुरू होता है? यह इस तरह से शुरू होता है। जैसे ही मैं इसे कहता हूँ, आप इसे पहचान लेंगे। "मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, तुमने मुझे क्यों छोड़ दिया?" भजन 22 इसी तरह से शुरू होता है। फिर, जब यीशु क्रूस पर था, तो वह कहता है, "मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, तुमने मुझे क्यों छोड़ दिया?" लोग उसे सुन नहीं पाते क्योंकि, शायद, उसकी जीभ उसके मुँह की छत से चिपकी हुई है और वह सही ढंग से उच्चारण नहीं कर सकता और उन्हें लगता है कि वह एलिय्याह को बुला रहा है। वे कहते हैं, "आइए प्रतीक्षा करें और देखें कि क्या एलिय्याह आता है।" "एलोई एलोई लामा सबाकथानी ।" उन्हें लगता है कि वह एलिय्याह को बुला रहा है कि वह आए और उसे बचाए। फिर

भी, वह जो कर रहा है वह भजन 22 का संदर्भ दे रहा है। वह भजन 22 के इस विलाप से गुज़र रहा है। "हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों त्याग दिया?" दाऊद, परमेश्वर के अपने दिल के अनुसार व्यक्ति, इसे व्यक्त करता है। एक हज़ार साल, जब यीशु क्रूस पर था, तो उसने इसे एक पूर्ति के रूप में उठाया। आप इसे कैसे कहते हैं? यीशु वास्तव में इसे पूरा कर रहा है और दाऊद ने इसे एक हज़ार साल पहले महसूस किया और यह वर्णन लिखा जो इतना अविश्वसनीय है।

मत्ती पर पुराने नियम का प्रभाव [53:41-56:26]

ई. संयुक्त क्यूटी; 53:41-68:40 ; मैथ्यू और ओटी; वर्तमान और भविष्य

इसलिए मैथ्यू ने पुराने नियम से ये बातें उठाईं। मैथ्यू की पुस्तक में पुराने नियम से 40 उद्धरण हैं। मैथ्यू, फिर से, क्या आप समझ रहे हैं कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं? मैथ्यू की पुस्तक का यहूदीपन, पुराने नियम के कई उद्धरणों और उद्धरणों में देखा जा सकता है। कहीं और से ज़्यादा और वह वास्तव में पुराने नियम से बहुत कुछ खींचता है, जो चर्च और इज़राइल कनेक्शन के महत्व को उजागर करता है। यह वास्तव में महत्वपूर्ण है। मैथ्यू यीशु मसीह का एक सुसमाचार लिख रहा है और वह क्या करता है? वह किस बारे में बात करता है? वह पुराने नियम की पूर्ति के बारे में विभिन्न तरीकों से बात करता है - सभी तरह के अलग-अलग तरीके जो पूर्ति करते हैं। मैथ्यू इसका वर्णन करता है। डॉ. विल्सन, अपनी पुस्तक, *हमारे पिता अब्राहम*, एक क्लासिक पाठ में, अध्याय 9 और उसके बाद रोमियों की पुस्तक से चर्च के बाहर आने का वर्णन करते हैं, कि चर्च जैतून के पेड़ में कलम किया गया है। जैतून का पेड़ इज़राइल है और चर्च उस जैतून के पेड़ में कलम किया गया है। यह एक जंगली शाखा है। तो आप यहाँ देख सकते हैं। यहाँ प्रारंभिक चर्च की शुरुआत हो रही है।

मैथ्यू सबसे बड़ा व्यक्ति है जिसने "चर्च" शब्द का दो बार उल्लेख किया है। अन्य सुसमाचार लेखक पुराने नियम का इतना अधिक उल्लेख नहीं करते हैं। मैथ्यू चर्च का उल्लेख करता है, लेकिन वह इस संबंध को भी दर्शाता है। संभवतः यहूदी लोग जिन्हें मैथ्यू लिख रहा है, वे भी सोच रहे हैं कि "क्या हम ईसाई हैं या हम यहूदी हैं?" प्रारंभिक चर्च में वे वास्तव में इससे जूझते थे। क्या हम फरीसी, सद्दुकी और नाज़रीन की तरह एक नया संप्रदाय हैं? क्या हम अब नाज़रीन हैं, यहूदी धर्म

का एक और संप्रदाय? या, यह कुछ नया और अलग है? तो पहचान का यह सवाल है कि प्रारंभिक चर्च ने इस संदर्भ में संघर्ष किया कि कैसे उनका यहूदीपन चर्च में आया। मैथ्यू फिर दिखाता है कि चर्च यहूदी धर्म में निहित है और पुराना नियम वह नींव है जिस पर यीशु ने अपना जीवन बनाया। यह याद रखना वास्तव में महत्वपूर्ण है कि यीशु यहूदी थे। यीशु यहूदी थे। प्रेरित यहूदी थे। पॉल यहूदी थे। यीशु, पॉल और प्रेरितों के जीवन में क्या चल रहा है, यह समझने के लिए प्रारंभिक यहूदी धर्म को समझना वास्तव में महत्वपूर्ण है। फिर से, डॉ. फिलिप्स, गॉर्डन में, ने प्रारंभिक यहूदी धर्म का अध्ययन किया है और यह वास्तव में ईसाई धर्म को उसके शुरुआती दिनों में समझने के लिए एक महत्वपूर्ण आधार है जब इसे समझने की कोशिश की जा रही थी। ईसाई धर्म और यहूदी धर्म के बीच अब क्या संबंध है? तो, मुझे लगता है कि मैथ्यू पुराने नियम की उस समृद्ध पृष्ठभूमि की कुछ सुंदर विविधतापूर्ण पूर्ति की रूपरेखा प्रस्तुत करता है और इसलिए मैथ्यू अतीत की ओर मुड़ता है।

आर. मैथ्यू की कहानी: वर्तमान—पाँच प्रवचन [56:26-58:51]

अब, वर्तमान में, मैथ्यू यीशु के पाँच प्रवचनों से निपटता है। हम पहले भी इस बारे में बात कर चुके हैं। ये पाँच प्रवचन वास्तव में महत्वपूर्ण हैं। मैथ्यू ने अपनी पूरी किताब इन पाँच प्रवचनों के इर्द-गिर्द रची है। सबसे पहले, पहाड़ी उपदेश: तीन पृष्ठ, अगर आपके पास लाल अक्षरों वाली बाइबल है। यह लाल अक्षरों के तीन पृष्ठ हैं - यीशु शिक्षा दे रहे हैं। अध्याय 10: बारह को नियुक्त करना, जहाँ यीशु बारह को भेजते हैं और उन्हें वहाँ जाकर यहूदी राष्ट्र में सुसमाचार फैलाने के लिए कहते हैं और उन्हें बताते हैं कि उन्हें विभिन्न तरीकों से सभी प्रकार के प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा। तो मैथ्यू 10 में बारह को नियुक्त करने का यही वर्णन है।

राज्य के दृष्टांत, और मुझे लगता है कि अध्याय 13 में आपके पास लगभग सात दृष्टांत हैं जहाँ यीशु ने बीजों के दृष्टांत, खरपतवारों के दृष्टांत, और ग्यारह राई के बीजों के दृष्टांत और कई अन्य का वर्णन किया है। अध्याय 18 विनम्रता और क्षमा, चर्च - चर्च अनुशासन पर है। यदि आपके पास चर्च में अनुशासन है और आपके पास दो लोगों के बीच संघर्ष है, तो व्यक्ति को एक-एक करके जाना चाहिए और उन्हें देखना चाहिए कि क्या वे समस्या को हल कर सकते हैं। यदि वह आमने-सामने की स्थिति को नहीं सुनता है, तो आप दो या तीन लोगों को लेते हैं और अब आपके पास दो या तीन

लोग वापस आते हैं और उस व्यक्ति से भिड़ते हैं और देखते हैं कि क्या आप इसे हल करने में सक्षम हैं। यदि वह दो या तीन लोगों की बात नहीं सुनता है, तो आप इसे पूरे चर्च में ले जाते हैं। यदि वह चर्च की बात नहीं सुनता है, तो आप उस व्यक्ति को बहिष्कृत कर देते हैं। इसलिए इस चर्च अनुशासन के साथ-साथ उन पहलुओं पर विनम्रता और क्षमा का भी वर्णन किया गया है।

अध्याय 22 से 25 में, यीशु फरीसियों पर हमला करते हैं। वे फरीसियों को पाखंडी बताते हैं और फिर चले जाते हैं। आप जानते हैं, आप कप के बाहर की सफाई करते हैं लेकिन कप के अंदर का हिस्सा इन सभी कॉफ़ी के अवशेषों से विकृत हो जाता है जो हफ़्तों से उसमें पड़े रहते हैं। लेकिन फिर यीशु शास्त्रियों और फरीसियों पर हमला करते हैं। वे हर चीज़ का दसवाँ हिस्सा देते हैं और फिर लोगों से कहते हैं "अपने पिता और अपनी माँ का आदर करो" लेकिन फिर आप कहते हैं कि वे अपनी विरासत अपनी माँ और पिता को क्यों नहीं दे सकते, मैं उनकी देखभाल नहीं कर सकता क्योंकि मैंने इसे भगवान को समर्पित कर दिया है। तो फिर आप अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते। यीशु उस पाखंड को उजागर करते हैं। फिर प्रवचन का जैतून अंत समय के बारे में है। इसलिए, जब हम भविष्य के बारे में बात करेंगे तो हम प्रवचन के जैतून पर वापस आएँगे जो दो महान अध्याय हैं जब यीशु भविष्य के बारे में बात करते हैं।

सेंट मैथ्यू की कहानी: भविष्य - दृष्टांत और एक्लेसिया [चर्च] [58:51-62:42]

अब भविष्य की बात करते हैं, तो चलिए शुरू करते हैं। राज्य के दृष्टांत--यह कैसे बढ़ेगा? हम राज्य के दृष्टांत को बढ़ते हुए देखते हैं और--आइए भविष्य के संदर्भ में इस पर थोड़ा नज़र डालें और देखें कि इसका वर्णन कैसे किया गया है। क्या आपको मैथ्यू अध्याय 21 में दुष्ट किरायेदारों का दृष्टांत याद है? मैथ्यू कहता है कि, किसान अपनी ज़मीन इन किरायेदारों को उधार देता है। ये किरायेदार बटाईदार हैं। उन्हें उसे कुछ किराया देना होता है। इसलिए किसान अपनी ज़मीन इन किरायेदारों को किराए पर देता है और उन्हें अपनी ज़मीन का इस्तेमाल करने के लिए उसे भुगतान करना होता है। फिर वह किराया वसूलने के लिए अपने कुछ नौकरों को भेजता है और क्या होता है? वे किराया वसूलने के लिए बाहर जाने वाले लोगों की पिटाई करते हैं। वास्तव में वे कुछ लोगों की पिटाई करते हैं और कुछ को मार देते हैं। तो अंत में मालिक, किसान, भेजता है: "ठीक है, वे मेरे

बेटे का सम्मान करेंगे।" जब मैं छोटा था तो मुझे सिखाया गया था कि दृष्टांत बहुत आम हैं क्योंकि वे हर समय होते हैं। वे बहुत यथार्थवादी हैं। क्या यह यथार्थवादी है? मेरा मतलब है, अगर आपने कहा कि आप एक किसान हैं और आपने संपत्ति किराए पर दी है और आपने अपने नौकरों को भेजा और उन्होंने आपके कुछ नौकरों को पीटा और मार डाला, तो क्या आप अपने बेटे को अकेले इन किरायेदारों का सामना करने के लिए भेजेंगे? यह पागलपन है। लेकिन फिर भी, यह भगवान की जबरदस्त दया और करुणा को दर्शाता है। वह अपने बेटे को भेजता है और जब वे बेटे को देखते हैं तो वे उसके साथ क्या करते हैं, वे कहते हैं, "अरे, चलो बेटे को मार देते हैं और संपत्ति ले लेते हैं। हमें विरासत मिल जाएगी। यह हमारे जितना ही अच्छा है।" तो वे जो करते हैं वह बेटे को मार देता है, और फिर पूछता है, "वह मालिक उन किरायेदारों के साथ क्या करेगा?" वह अंदर आएगा और उन्हें नष्ट कर देगा। रोना और दांत पीसना होगा। किरायेदारों का दृष्टांत बेटे की हत्या और विरासत की चोरी का वर्णन करता है। संघर्ष एक दृष्टांत है जो कहता है: "यहां तक कि फरीसी भी इनमें से कुछ दृष्टांतों को उठाते हैं और समझते हैं कि वे क्या थे और भविष्य में क्या होने वाला था।" मैथ्यू एकमात्र सुसमाचार है जो *एक्केलेसिया* शब्द का उपयोग करता है। *एक्केलेसिया* ग्रीक शब्द है: एक का अर्थ है "बाहर से," जैसे "निकास।" फिर *क्लेसिया* का अर्थ है "बुलाया गया" इसलिए *एक्केलेसिया* का अर्थ है "बुलाए गए लोग।" इसलिए चर्च वे हैं जिन्हें समुदाय में एक नया समुदाय बनाने के लिए बुलाया जाता है, एक *एक्केलेसिया* एक बुलाया गया समुदाय है जो समुदाय के उद्देश्य से अलग हो जाता है। मैथ्यू उल्लेख करता है: "तुम पीटर हो, जिस पर मैं निर्माण करूँगा... मेरा क्या? *एक्केलेसिया* [चर्च]। क्या होता है, मैथ्यू भविष्य में देखता है और इस नए समुदाय का वर्णन करता है, जो चर्च है। *एक्केलेसिया*, "बुलाए गए लोग" एक नया समुदाय बनाते हैं।

जब चर्च किसी व्यक्ति को बहिष्कृत करता है तो मैथ्यू 18:17 में कहा गया है: तो, मैथ्यू अकेले ही *एक्केलेसिया* [चर्च] का उल्लेख करता है। तो यह, फिर से, बहुत भविष्य की ओर देखने वाला है क्योंकि यह मैथ्यू की पुस्तक में मसीह के मृतकों में से जी उठने पर क्या होगा, इस पर विचार करता है। भेड़ और बकरियों के बारे में हम पहले ही बात कर चुके हैं जो युग के अंत और युग के अंत में न्याय का वर्णन करते हैं। इसलिए मैथ्यू भविष्य की कई चीजों का वर्णन करता है।

हमने दस दुल्हनों के बारे में बात की: पाँच बुद्धिमान थीं, पाँच मूर्ख थीं। पाँच के पास तेल था और पाँच तेल की तलाश में थीं। स्वामी आता है और उन्हें अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बात यह है कि तैयार रहना है। बात यह है कि स्वामी के आने के लिए तैयार रहना है।

टी. मैथ्यू का भविष्य - ओलिवेट प्रवचन [62:42- 68:40]

इसलिए मैथ्यू भविष्य की ओर देखता है और मैं यहाँ ओलिवेट प्रवचन और भविष्य के कुछ विवरणों को देखना चाहता हूँ। मुझे लगता है कि यह ओलिवेट प्रवचन वास्तव में बहुत दिलचस्प है। यह मैथ्यू 24 और 25 में पाया जाता है। मैं यहाँ कुछ बातें पढ़ना चाहता हूँ। 24:2 में यीशु कहते हैं: यीशु मंदिर से निकलकर जा रहे थे जब उनके शिष्य उनके पास आए और उनका ध्यान इसकी इमारतों की ओर आकर्षित किया। अब हेरोदेस ने दूसरे मंदिर का विस्तार किया था। जोशुआ, जरुबाबेल के समय को याद करें नहेमायाह के समय में उन्होंने दूसरा मंदिर बनाया लेकिन यह वास्तव में छोटा था और हेरोदेस आया और मंदिर को एक शानदार संरचना में बदल दिया जिसका पुनर्निर्माण 30-40 साल तक चला। हेरोदेस ने मंदिर को इस विशाल सुंदर चीज़ में बदल दिया। यीशु ने कहा कि वह तीन दिनों में इस मंदिर को नष्ट कर देगा और इसे फिर से खड़ा कर देगा। ये कुछ ऐसे आरोप थे जो उन्होंने उसके खिलाफ इस्तेमाल किए। वे वास्तव में मंदिर में थे।

यह कुछ ऐसा था जिस पर उन्हें वास्तव में गर्व था। यीशु कहते हैं कि वे उन्हें दिखाने जा रहे थे और इन सभी इमारतों की ओर उनका ध्यान आकर्षित करने जा रहे थे। "क्या आप ये सब चीज़ें देखते हैं, उसने पूछा?" मैं आपको सच बताता हूँ कि यहाँ एक भी पत्थर दूसरे पर नहीं छोड़ा जाएगा। हर एक को गिरा दिया जाएगा। यह वास्तव में 70 ई. में हुआ होगा जब जनरल टाइटस रोम से आएगा और टाइटस यरूशलेम को नष्ट कर देगा। वह मंदिर ले जाएगा, वह मंदिर को समतल कर देगा। आम तौर पर जब आप कोई जगह लेते हैं, तो आप क्या करते हैं? प्राचीन दुनिया में जब आप कोई शहर लेते थे, तो आप शहर को जला देते थे, निवासियों को मार देते थे और शहर को जला देते थे। आप शहर को पूरी तरह से नहीं गिराते। यह बहुत अधिक काम है। आप शहर को जला देते हैं, लोगों को मार देते हैं और फिर आप इसे छोड़ देते हैं। आप इसे खंडहर में छोड़ देते हैं। यहाँ, हर पत्थर को गिरा दिया गया था। और वास्तव में आज भी, यदि आप यरूशलेम में खो जाते हैं

और आप दक्षिण दीवार की खुदाई करते हैं, जहाँ वेलिंग वॉल या पश्चिमी दीवार है, तो आप लगभग सौ गज की दूरी पर जाते हैं, तो आपको दक्षिण दीवार की खुदाई दिखाई देगी। वहाँ आप देख सकते हैं कि चट्टानें फेंकी गईं और लगभग 70 फीट नीचे गिरीं, चट्टानें मंदिर की पहाड़ी से नीचे गिर गईं। जब वे नीचे गिरीं, तो वे रोमन सड़कों पर गिरीं। एक रोमन सड़क वहाँ नीचे से होकर जाती है, और जब ये चट्टानें गिरीं - ये चट्टानें 8 फीट लंबी, 8 फीट चौड़ी, कुछ 5 या 6 फीट ऊँची हैं, ये बहुत बड़े पत्थर हैं - और जब ये पत्थर 70 फीट नीचे गिरते हैं, तो आप रोमन सड़कों पर टकराते और छेद करते हुए ढेरों की बात कर रहे हैं। रोमन सड़कें जिस तरह से बनाई गई थीं, वह अविश्वसनीय है। इन चट्टानों ने उस सड़क को छेद दिया, और मंदिर के ऊपर चट्टानों का एक ढेर था जिसे यीशु ने कहा था। इसलिए यीशु ने यहाँ जैतून के उपदेश में यह भविष्यवाणी की।

अब बाइबल के आलोचकों को बाइबल में दो चीज़ों से छुटकारा पाना होगा। आलोचक बाइबल में टिक नहीं सकते। वे इन चीज़ों पर हमला करेंगे: 1. चमत्कार। यीशु पानी पर चलते हैं। पीटर पानी पर चलते हैं। यीशु एक ऐसे व्यक्ति को ठीक करते हैं जो जन्म से अंधा था। वे चमत्कारों को स्वीकार नहीं कर सकते। मूसा ने लाल सागर को खोला और इस्राएली उस पार चले गए। वे चमत्कारों को स्वीकार नहीं कर सकते इसलिए उन्हें चमत्कारों से छुटकारा पाना होगा और उन्हें पौराणिक कथाओं या मिथकों के रूप में समझना होगा, क्योंकि कौन अकेला चमत्कार कर सकता है? केवल भगवान ही चमत्कार कर सकते हैं। वे कहते हैं, "कोई चमत्कार नहीं क्योंकि हर चीज़ का वैज्ञानिक रूप से हिसाब होना चाहिए और हर चीज़ सामान्य होनी चाहिए।"

दूसरी बात जिससे आलोचकों को छुटकारा पाना है वह है--भविष्य कौन बता सकता है? केवल ईश्वर ही भविष्यवाणियां कर सकते हैं और अपने जन्म से 700 वर्ष पहले कह सकते हैं कि वह यहूदिया के बेथलेहम में पैदा होने जा रहे हैं। केवल ईश्वर ही ऐसा कर सकते हैं। समय से 700 वर्ष पहले, बस इस बारे में सोचें। भविष्यवाणी करने के लिए 700 वर्ष का समय बहुत लंबा है। यह वही भविष्यवाणी है जो यीशु करते हैं: कि हर पत्थर गिरा दिया जाए। यीशु कब मरते हैं? यीशु लगभग 32 या ईस्वी के आसपास मरते हैं। मंदिर कब नष्ट किया गया? 40 साल या 38 साल बाद तक नहीं। तो इसलिए यीशु ने यह भविष्यवाणी की तो आलोचकों को इससे छुटकारा पाना होगा। वे क्या करते हैं? वे *वैटिकिनियम पोस्ट इवेंटु नामक तकनीक का उपयोग करते हैं* जिसका अर्थ है "घटना के बाद

(या बाद में) भविष्यवाणी करना।" घटना के बाद भविष्यवाणी करना। वे कहते हैं कि यीशु ने वास्तव में यह भविष्यवाणी नहीं की इसलिए मंदिर के नष्ट होने के बाद मैथ्यू ने लिखा: उन्होंने इस "भविष्यवाणी" को यीशु के मुंह में वापस डाल दिया। इसलिए, यह एक भविष्यवाणी नहीं है क्योंकि यह तथ्य के बाद था और यीशु के मुंह में वापस डाल दिया गया था। वैसे क्या बाइबल ऐसा कहती है? नहीं, बाइबल कहती है कि यीशु ने ऐसा होने से 38 साल पहले कहा था। उन्होंने भविष्यवाणी की कि सभी पत्थर नीचे फेंक दिए जाएंगे और ठीक वैसा ही हुआ। यह वास्तव में आश्चर्यजनक है। मैथ्यू इसका उल्लेख करता है। कि हर पत्थर नीचे फेंक दिया जाएगा क्योंकि वह उन्हें भविष्य के बारे में बताते हुए ओलिवेट प्रवचन में आता है, इसलिए वह यहूदी धर्म में सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक के साथ अपना भविष्य शुरू करता है। फिर 70 ईस्वी में टाइटस द्वारा दूसरे मंदिर का विनाश होता है टाइटस आता है और जगह को समतल करता है। दूसरा मंदिर, वैसे, 70 ईस्वी में नष्ट हो गया था अब वहाँ पहाड़ की चोटी पर एक मंदिर है।

वी. ओलिवेट प्रवचन - झूठे भविष्यद्वक्ता और उत्पीड़न [68:40- 72:59]

एफ: वी-एक्स संयुक्त ; 68:40-78:03 अंत; टी/एफ शिष्य, मसीह की वापसी

तो यहाँ भी यही कहा गया है; यीशु झूठे मसीहों और झूठे भविष्यद्वक्ताओं के बारे में बात करते हैं जो चुने हुए लोगों को भी धोखा देने के लिए महान चिह्न और चमत्कार करेंगे। और इसलिए वह कहते हैं कि अंत के समय में झूठे मसीह और झूठे शिक्षक आएंगे - झूठे भविष्यद्वक्ता - जो चिह्न और चमत्कार करने वाले हैं। यह आदमी वास्तव में कुछ अविश्वसनीय काम करने वाला है। इतना कि चुने हुए लोग भी धोखा खा जाएँगे। दूसरे शब्दों में, लोग खुद से पूछेंगे, क्या यह ईश्वर है? क्या यह यीशु है? क्या यह यीशु के वापस आने का अग्रदूत है? ये लोग कुछ बहुत ही आश्चर्यजनक काम कर रहे हैं। वे चिह्न और चमत्कार कर रहे हैं। क्या ये चिह्न और चमत्कार ईश्वर की ओर से हैं? यीशु ने लोगों को चेतावनी दी और कहा। वे चिह्न दिखाने जा रहे हैं जो वास्तव में चुने हुए लोगों को धोखा देंगे यदि ऐसा संभव हो। फिर तुम्हें सताया जाएगा और मार डाला जाएगा। यह प्रवचन अंत के समय में ईसाइयों के लिए कैसे वर्णन करता है? यीशु कहते हैं कि आपको जो बातें जाननी चाहिए उनमें से एक यह है कि ईसाइयों को सताया जाएगा और मार डाला जाएगा।

मैं आपसे पूछता हूँ: किस पीढ़ी में किसी भी अन्य पीढ़ी की तुलना में अधिक ईसाई मारे गए हैं? यह अभी की पीढ़ी है। पूरी दुनिया में ईसाई मारे जा रहे हैं और मैं जानता हूँ कि अमेरिका में हम अपने आलीशान घरों में बैठे हैं और सब कुछ आज़ाद है क्योंकि हमारे पास धर्म की आज़ादी है। लेकिन आप पहले से ही देख सकते हैं कि धर्म की आज़ादी पर हमला किया जा रहा है और कुछ मामलों में वास्तव में हमारी अपनी सरकार द्वारा और अन्य मामलों में हमारे देश के बाहर की ताकतों द्वारा, जैसे कि जो लोग घुसपैठ करने और ऐसी चीजें करने की कोशिश कर रहे हैं जिनका ईसाई धर्म पर कुछ वास्तविक नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, गला घोंटा जा रहा है। तो यह वही है जो भविष्य में आने वाला है: उत्पीड़न, यहाँ तक कि मृत्यु भी। राज्य का यह सुसमाचार पूरी दुनिया में प्रचारित किया जाएगा। अंत समय का संकेत क्या है? यह यही है: और राज्य का यह सुसमाचार पूरी दुनिया में प्रचारित किया जाएगा, फिर अंत आ जाएगा। यह कुछ ऐसा है, अगर आप विक्लिफ़ बाइबल अनुवादकों से परिचित हैं, तो यह मेरी राय में सबसे महान मिशन समूहों में से एक है। ये विक्लिफ़ बाइबल अनुवादक मूल रूप से दुनिया की सभी भाषाओं में बाइबल का अनुवाद करते हैं। मेरा एक मित्र है, जोएल हालो, जो इंडोनेशिया गया था - और इनमें से कई आदिवासी समूहों की अपनी भाषा है, लेकिन भाषा को कभी लिखा नहीं गया है। इसलिए वे नहीं जानते कि अपनी भाषा कैसे लिखें। इसलिए विक्लिफ़ बाइबल अनुवादक - वे समर इंस्टीट्यूट ऑफ़ लिंग्विस्टिक्स से जुड़े हुए हैं और यहाँ गॉर्डन कॉलेज में, सभी समय के महान भाषाविदों में से एक, केनेथ पाइक नाम के व्यक्ति आते हैं। यहाँ गॉर्डन में हमारे पास पाइक कार्यक्रम भी है, जिसका नाम उनके नाम पर रखा गया है। लेकिन वे विक्लिफ़ बाइबल अनुवादकों को प्रशिक्षित करने और भाषाओं को डिकोड करने और इन आदिवासी समूहों को उनके लिए इसे लिखने और फिर उन्हें सिखाने और उन्हें अपनी भाषा पढ़ने का तरीका सिखाने में शामिल थे, ताकि वे अपनी भाषा में बाइबल पढ़ सकें। यहाँ कहा गया है कि राज्य का सुसमाचार पूरी दुनिया में प्रचारित किया जाएगा और अंत आएगा। विक्लिफ़ बाइबल अनुवादक अभी दुनिया की सभी भाषाओं में बाइबल का अनुवाद कर रहे हैं। मैं भूल गया कि कितने अनुवादक हैं - उन्हें अभी बहुत कुछ करना है, लेकिन वे दुनिया की हर भाषा में बाइबल का अनुवाद करने के करीब पहुँच रहे हैं।

"तब तुम उस उजाड़ने वाले घृणित काम को देखोगे, जिसके बारे में दानियेल भविष्यद्वक्ता ने कहा था" (अध्याय 24, श्लोक 14)। उजाड़ने वाला यह घृणित काम क्या है? आप कहते हैं, "ठीक है हिस्डेब्रांट, आपने हमें इस कक्षा में मैकाबीज़ की पुस्तक पढ़ने को कहा।" हाँ, वास्तव में। और एंटीओकस एपिफेनीज़ में - सेल्यूसिड्स को याद करें - वेदियों पर सूअरों की बलि चढ़ाने को याद करते हैं। उसने अपनी एक मूर्ति स्थापित की, और मंदिर पर्वत पर लोगों से उसकी पूजा करवाई। बहुत से लोग सोचते हैं कि यह मसीह विरोधी, या हम इसे जिस भी तरह से अवधारणा बनाने जा रहे हैं, वह व्यक्ति जो अपनी एक छवि स्थापित करने जा रहा है और लोगों से उसके सामने झुकने को कहेगा - यही उजाड़ने वाला घृणित काम है। यह एक इंसान है जो दूसरे लोगों से पूजा की अपेक्षा करता है और उस क्षेत्र में जो पवित्र है उसे अपवित्र करता है। इसलिए उजाड़ने वाले घृणित काम के बारे में वहाँ भी बात की गई है।

डब्लू. कोई भी उस दिन या घंटी को नहीं जानता [72:59-76:51]

फिर यह। यह भी दिलचस्प है: "कोई भी उस दिन या घंटे को नहीं जानता, यहाँ तक कि पुत्र भी नहीं।" - मत्ती 24:36। पिछले साल कैम्पिंग नाम का एक आदमी था और उसने पिछले साल 20 मई, 2011 को भविष्यवाणी की थी कि यीशु 20 मई, 2011 को वापस आ रहे हैं। खैर, जाहिर है कि अब हम 2015 में हैं, इसलिए वह आदमी चूक गया और इसलिए कुछ मायनों में वह एक झूठा नबी है? हाँ, और फिर ऐसा होता है, "ओह, मैंने बस गलत अनुमान लगाया," और वह चला जाता है और फिर उसे दोबारा अनुमान लगाना पड़ता है। यीशु ने क्या कहा? कोई भी दिन या घंटे को नहीं जानता - अगर कोई आपसे कहता है कि वह दिन या घंटे को जानता है, तो पवित्रशास्त्र स्पष्ट रूप से क्या कहता है? पवित्रशास्त्र कहता है, "कोई भी दिन या घंटे को नहीं जानता।" अगर कोई आपसे कहता है कि वह दिन और घंटे को जानता है, तो पुत्र भी इसे नहीं जानता।

एक मिनट रुको? मुझे लगा कि यीशु ईश्वर हैं यीशु सब कुछ जानते हैं। मैं आपसे पूछता हूँ: "जब यीशु का जन्म हुआ तो क्या यीशु हिब्रू बोलना जानते थे? जब वह गर्भ से आठ दिन का था, तो क्या वह हिब्रू भाषा को पूरी तरह से बोल पाता था? नहीं। यीशु को किसी और की तरह हिब्रू सीखनी पड़ी। क्या वह अरामी भाषा सीखेगा, ग्रीक सीखेगा, और कोई अन्य भाषा सीखेगा, शायद वह कम

से कम दो या तीन अरामी और ग्रीक जानता हो और फिर संभवतः अन्य। यीशु को यह सीखना पड़ा। वह एक इंसान था और एक इंसान के तौर पर यीशु को जो कुछ भी पता था, उसके मामले में उसे प्रतिबंधित किया गया था और उसने कहा, "केवल पिता ही यह जानता है।" केवल पिता ही दिन और घंटे को जानता है।

इसलिए मुझे लगता है कि यह हमें सावधान करता है। यदि यीशु कहते हैं, "यहाँ तक कि पुत्र भी यह नहीं जानता," तो हमें यह कहने में थोड़ा सावधान रहना चाहिए, "यह वह दिन या घड़ी है।" जब भी कोई मसीह के वापस आने के बारे में बहुत ज़्यादा भविष्यवाणी करता है, तो बहुत सावधान रहें। मुझे लगता है कि यह मूर्खता है। मुझे लगता है कि हर व्यक्ति चाहता है कि यीशु उनके मरने से पहले वापस आएँ। मुझे लगता है कि किसी को अटकलों से सावधान रहने की ज़रूरत है जो अटकलों को जन्म देती हैं। यह ईसाई धर्म के लिए स्वस्थ नहीं है। हमारा ध्यान पिता की इच्छा को पूरा करने पर होना चाहिए। और पिता की इच्छा क्या है? दो बातें। अपने पूरे दिल से परमेश्वर से प्यार करो, अपने पड़ोसी से अपने समान प्यार करो। यीशु ने वे दो आज्ञाएँ कही जिन पर भविष्यवक्ताओं के सारे नियम टिके हुए हैं: अपने प्रभु परमेश्वर से अपने पूरे दिल, आत्मा और मन से प्यार करो और अपने पड़ोसी से अपने समान प्यार करो।

यहाँ एक भविष्यवाणी है जो हमें बहुत पसंद है, दो लोग एक खेत में होंगे, एक को ले जाया जाएगा और दूसरे को पीछे छोड़ दिया जाएगा। क्या आपको यहाँ "छोड़ दिया गया" पसंद है, यह मैथ्यू 24:40 है। क्या किसी ने *लेफ्ट बिहाइंड* सीरीज़ पढ़ी है, जिसे टिम लाहे ने लिखा है? उन्होंने मूल रूप से मसीह की वापसी के बारे में इस तरह की अटकलें लगाकर लाखों कमाएँ हैं। आपको इस तरह की कल्पना से सावधान रहना होगा। मुद्दा यह है कि एक खेत में होगा और एक पीछे छोड़ दिया जाएगा। इस अंश का मुद्दा मसीह के आने के लिए तैयार रहना है।

समस्या यह है कि जब तक ये सारी बातें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक यह पीढ़ी नहीं गुजरेगी। मत्ती 24:30-34 क्या है, "यह पीढ़ी जो नहीं गुजरेगी" क्या है? क्या यह वह पीढ़ी है जो सुसमाचार को पूरी दुनिया में फैलते हुए देखती है? इसलिए इन बातों पर कुछ सवाल हैं। चाहे वह कोई भी पीढ़ी हो, वह आखिरी पीढ़ी है। और इसलिए यीशु जरूरी नहीं कह रहे हैं, "यह पीढ़ी जिसमें वह रहते हैं" लेकिन वह उस पीढ़ी के बारे में बात कर रहे हैं जब ये सारी घटनाएँ घटित होंगी: दानियेल द्वारा

कही गई उजाड़ने वाली घृणित वस्तु; पूरी दुनिया में सुसमाचार का फैलना; यह पीढ़ी नहीं गुजरेगी। यह पीढ़ी अंत देखेगी।

X. निष्कर्ष [76:51-78:03]

तो यह परमेश्वर के राज्य का अंत है जिसके बारे में हम बात करना चाहते थे। फिर हमने समय बीतने, पुराने नियम के साथ एकीकरण, वर्तमान, यीशु के पाँच प्रवचनों और भविष्य के बारे में बात की, हमने स्वर्ग के राज्य और मूल रूप से जैतून के प्रवचन के बारे में बात की, और यीशु ने उन्हें सिखाया कि कोई भी दिन या घंटा नहीं जानता है और हमें तैयार रहना है। पाँच बुद्धिमान दुल्हनों की तरह हमें मसीह की वापसी के लिए तैयार रहना है।

अगली बार हम मत्ती की पुस्तक की हिब्रू प्रकृति और पुस्तक की कुछ और साहित्यिक विशेषताओं पर नज़र डालेंगे। फिर हम मत्ती की पुस्तक में चार अंतिम बिंदु हिब्रू विस्तार और साक्ष्य और शैली के बारे में बात करेंगे। आपका ध्यान देने के लिए धन्यवाद और आपका दिन शुभ हो।

डेव क्लेमर द्वारा लिखित

बेन बोडेन

द्वारा संपादित रफ़ द्वारा संपादित टेड हिल्डेब्रांट द्वारा